डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 152 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 18 मार्च 2025 | मूल्य 2 रूपया

दावों की पोल खोल रहे परिणाम...

नींव कमजोर, 09 वीं में आ रही दिक्कत, 30 प्रतिशत विद्यार्थी हुए फैल

मंदसौर, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। भवन बनाकर या कागजों पर योजना तैयार कर निजी स्कूलों को टक्कर देने का दावों की हकीकत सरकारी स्कूलो का परीक्षा परिणाम बयां कर रहा है। हर साल की तरह इस साल भी 09वीं कक्षा में 30 प्रतिशत विद्यार्थी असफल रहे। इसका सबसे महत्वपूर्ण कारण है नींव कमजोर होना। कक्षा 05वीं तक की बात करें तो मूलभूत सुविधाओं के लिए स्कूल तरस रहे हैं। इसके बाद 06 टी से 08वीं तक के स्कूलों की भी यहीं हालात है। जबकि, निजी स्कूलों से ज्यादा तनख्वाह सरकार शिक्षकों को बांट रही है। वहीं एज्युकेशन के मामले में भी सरकारी स्कूलों के शिक्षक निजी स्कूलों के शिक्षकों से आगे है। इसके बाद भी सरकारी स्कूलों का रिजल्ट विशेषकर 09वीं में ही नहीं सुधर रहा। इस बार आए रिजल्ट में जहां 09वीं में 30 प्रतिशत बच्चे फैल हुए है तो वहीं 11वीं में यह आंकड़ा 08 प्रतिशत है। शिक्षा विभाग के एक्सपर्ट से जब नतीजों को लेकर बात की तो सामने आया कि इसके कारण है कि कक्षा 06टी से कक्षा 08वीं तक सरकारी स्कूलों में पढ़ाई का स्तर बहुत खराब है। यहां पर शिक्षकों के द्वारा सही रूप से पढ़ाया नहीं जाता है। इसके अलावा डीपीसी से लेकर प्रशासन इस ओर कोई सख्त कदम नहीं उठाता है। जिसके कारण भी व्यवस्थाएं बेलगाम हो रही है। जिसका नतीजा बच्चों का भविष्य खराब हो रहा है। वहीं तीसरा कारण कक्षा 09वीं में पढ़ाने वाले शिक्षक सही रूप से अध्यापन कार्य नहीं करवा रहे है।

समय के साथ नहीं हो रहे अपडेट...

जहां सरकारी स्कूलों में शिक्षक अनुभवी होकर पूरी तरह से शिक्षित है। साथ ही 50-50 हजार रूपए प्रतिमाह तनख्वाह ले रहे हैं। जबकि, निजी स्कूलों में तनख्वाह 10 से 20 हजार रुपए लेने वाले शिक्षक पढ़ा रहे हैं। इसके बाद भी निजी स्कूल से निकले बच्चे सरकारी स्कूल के बच्चों से आगे हैं। इसका कारण है वहां अंग्रेजी पर विशेष ध्यान देने के साथ ही लगातार समय के साथ अपडेट होना। लेकिन, सरकारी स्कूल में सिर्फ एक ही ढर्रा सालों से चला आ रहा है। इसी कारण कई स्कूल लगभग बंद हो चुके हैं।

धरी रह गई योजना...

सरकारी स्कूलों को निजी स्कूल के बराबर खड़ा करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। लेकिन, मैदानी स्तर पर की जा रही लापरवाही इन प्रयासों को सफलता तक नहीं पहुंचने दे रही है। कुछ साल पहले एक योजना में प्राथमिक विद्यालय में पहली और माध्यमिक विद्यालय में 06टी कक्षा से अंग्रेजी माध्यम की शुरुआत की जाना थी। जिला शिक्षा केंद्र ने स्कूलों का चयन कर फाइल जून से पहले ही शिक्षा विभाग को भेज दी। इसके दो माह बाद भी शिक्षा विभाग के अधिकारियों की नींद नहीं खुली। लापरवाही के कारण जिले में अंग्रेजी स्कूल की शुरुआत का सपना इस सत्र में पूरा नहीं हो पाया। इसके बाद आने वाले अधिकारी इस योजना को भूल गए। सबसे बड़ी बात यह है कि इस योजना के लिए विभाग को शिक्षक ही नहीं मिल पाए। 50-50 हजार रूपए तनख्वाह वालो लेने वालों में से अंग्रेजी पढ़ाने वाला ही शिक्षा विभाग को कोई नहीं मिला या ढूंढने का प्रयास नहीं किया गया। इसके बाद जब दबाव बढ़ा तो औपचारिकता निभाते हुए कागजों में शिक्षकों की नियुक्ति की गई। एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि इस योजना को लेकर शासन ने सीधे कलेक्टर को निर्देश दिए थे। तत्कालीन कलेक्टर की भी कहीं न कहीं लापरवाही यहां पर रही हो सकती है।

यह रहा रिजल्ट...

जिले में कक्षा 9वीं में 13 हजार 426 विद्यार्थियों में से 13 हजार 290 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। इसमें से 08 हजार 172 विद्यार्थी पास हुए और एक हजार 283 विद्यार्थियों को पूरक आई। वहीं 03 हजार 872 विद्यार्थी फैल हो गए। जो कि 30 फीसदी है। कक्षा 11वीं में 07 हजार 338 विद्यार्थियों में से 07 हजार 250 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। इसमें से 05 हजार 992 विद्यार्थी पास हुए और 595 विद्यार्थियों को पूरक आई। वहीं 663 विद्यार्थी फैल हो गए। जो कि 08 फीसदी है।

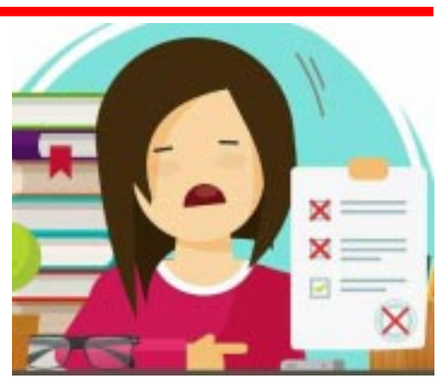

गरोठ विकासखंड में सबसे कम रिजल्ट मेलखेड़ा व खड़ावदा में रहा...

गरोठ विकासखंड के 35 स्कूलों में सबसे कम प्रतिशत रिजल्ट मेलखेड़ा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 9वीं का रिजल्ट 29.63% रहा है। सबसे कम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खड़ावदा मैं 11वीं का रिजल्ट 42.74% रहा है।

गरोठ विकासखंड के 35 स्कूलों का कक्षा 9वी व 11 वी का रिजल्ट घोषित किया गया, जिसमे कक्षा 9वी में प्रथम स्कूल हाई स्कूल देथली बुजुर्ग 73.75% रिजल्ट, द्वितीय स्कूल हाई स्कूल उमरिया बालोदा 73.11% रिजल्ट, तृतीय स्कूल हाई स्कूल लसूडिया 72.22% रिजल्ट रहा है। गरोठ विकासखंड के 35 स्कूलों में सबसे कम प्रतिशत रिजल्ट मेलखेडा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का 29.63% रिजल्ट रहा है। 11वी कक्षा में प्रथम स्कूल मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गरोठ 100% रिजल्ट व शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोटडा बुजुर्ग 100%रिजल्ट रहा है।द्वितीय स्कूल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साठखेडा 95.65% रिजल्ट रहा है। तृतीय स्कूल कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गरोठ 90.63% रिजल्ट रहा है। गरोठ विकासखंड के 35 स्कूलों में से सबसे कम रिजल्ट शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खडावदा 42.74% रिजल्ट रहा है।

फास्ट फूड दे रहा दांतों को परेशानी

बच्चों के दांत हो रहे खराब

मंदसौर, 06 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। इन दिनो मुंह और दांतों से संबंधित बीमारियों के मरीज सामने आ गए हैं। फास्ट फूड ज्यादा खाने से बच्चों के दूध के दांतों में कैविटी भी बढ़ रही है। दंत चिकित्सक खानपान में सुधार और अत्यधिक फास्ट फूड से बचने की सलाह दे रहे हैं।

अंचल के बच्चों में बढ़ते फास्ट फूड के सेवन से मुंह और दांतों से संबंधित बीमारियां भी बढ़ रही हैं। इसके अलावा रात में मीठा दूध पीने के तुरंत बाद सोने से भी बच्चों के दांतों पर खराब असर पड़ रहा है। इससे बड़ों की तरह बच्चों में भी दांत में कीड़ा लगना और कैविटी बनने की सबसे ज्यादा समस्याएं सामने आ रही हैं। दंत रोग विशेषज्ञों के अनुसार कई बच्चे पल्पेक्टॉमी दंत रोग से पीड़ित मिले हैं। इसमें भी वयस्क की तरह ही रोगियों में रूट कैनाल के जरिए उपचार होता है। अगर सही उपचार न किया जाए तो यह उम्रभर के लिए परेशानी बन सकती है।

दंत रोग चिकित्सक डॉ. कमलेश पमनानी की सलाह है कि दांतों की नियमित सफाई के लिए सुबह-रात में सोते समय ब्रश करें। रात को दूध पीने के बाद कुल्ला जरूर करें। टेड़े-मेड़े दांतों को तार बांधकर (ब्रेसेज) उन्हें सीधा करा सकते हैं। दांत यदि नुकीला है और बार-बार गाल कट रहा है तो कैंसर की आशंका रहती है। ऐसे में दांतों को ग्राइंड करा सकते हैं।

ये है बड़ा कारण...

जिले के वरिष्ठ चिकित्सकों के अनुसार दूध पीने के तुरंत बाद सोने से मुंह में मौजूद बैक्टीरिया दूध के साथ मिलकर एसिड में बदल जाता है। इससे दांतों में पीलापन, मसूड़ों में सड़न और कैविटी जैसी समस्याएं बढ़ रही है। इसे हल्के में लेने से यह समस्या कई बार गंभीर बीमारियों में बदल जाती है। इसके अलावा फास्ट फूड जैसे पिज्जा, बर्गर, मोमोज इत्यादि में कई तरह के हानिकारक सॉस मिले होते हैं, जिनमें फ्रक्टोज शुगर की मात्रा अधिक होती है।

चंदवासा में गौवंश का कटा सिर मिलने से आक्रोश

सोमवार को बंद रहा कस्बा, पुलिस बल रहा तैनात

मंदसौर, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। चंदवासा में गौवंश का कटा सिर मिलने **के बाद हिंदू संगठनों का आक्रोश देखा गया। दूसरे दिन सोमवार को पुलिस अधिकारी दिन भर गांव में तैनात रहे। अतिरिक्त पुलिस बल हर वक्त तैयार रहा। इस दौरान चंदवासा कस्बा दिन भर बंद रहा।**

रविवार रात को ग्राम चंदवासा के बस स्टैंड के पास बछड़े का कटा सिर मिला। इसके बाद हिंदू संगठन के लोग आक्रोशित हो गए। रात में कई लोग बस स्टैंड पहुंचे। इसके बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची। एएसपी हेमलता कुरील ने संगठनों के पदाधिकारियों से चर्चा की। मामले में सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। इसके बाद मामला शांत हुआ। इधर दूसरे दिन पुलिस बल गांव में तैनात रहा। इधर सोमवार को चंदवासा में बाजार बंद रहा। बताया जाता है कि रात में ही पुलिस ने दो संदेहियों को उठा लिया था। एएसपी हेमलता कुरील ने बताया कि इस मामले में अज्ञात के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। मामले में जांच चल रही है।

एमपी-राजस्थान बार्डर के जंगल में लगी आग

एक सप्ताह में दूसरी बार हुई आगजनी, फसलों को खतरा

नीमच, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। एमपी-राजस्थान सीमा के जावद वन परिक्षेत्र में एक बार फिर आग लग गई है। जाट गांव के पास बेगू वन क्षेत्र में लगी आग करीब 04 घंटे तक जली। इससे पहले एक हफ्ते में इसी क्षेत्र में आग लगने की घटना हुई थी। गरमी के कारण इस क्षेत्र में पेड़-पौधे और घास सूख गए हैं। इस वजह से मध्य प्रदेश के क्षेत्र में भी छोटी सी चिंगारी से आग भड़क सकती है।

जंगल में आग से किसानों की चिंता बढ़ गई है। उनके खेत जंगल की सीमा से सटे हुए हैं। वर्तमान में फसल कटाई का समय चल रहा है। ऐसे में आग से फसलों को नुकसान का खतरा बना हुआ है। जावद वन परिक्षेत्र अधिकारी विपुल करोरिया ने बताया कि आग अभी राजस्थान सीमा में है। अगर आग मध्य प्रदेश की सीमा की तरफ बढ़ती है तो तुरंत नियंत्रण किया जाएगा। वन विभाग की टीम मध्य प्रदेश की जंगल सीमा पर लगातार नजर रख रही है। आग से निपटने के लिए सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

चीतों की बढ़ती संख्या से चंबल क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को मिलेगा प्रोत्साहन- मुख्यमंत्री

नीमच, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है, कि आज का दिन प्रदेश के चीता प्रोजेक्ट और वन्य जीव संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। श्योपुर स्थित राष्ट्रीय कूनो उद्यान में दक्षिण अफ्रीका से लाई गई मादा चीता 'गामिनी' और उसके चार शावकों को बाडेसे मुक्त कर राष्ट्रीय उद्यान में स्वछंद विचरण के लिए छोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा, कि जैव विविधता की दृष्टिसे, दक्षिण अफ्रीका से प्रदेश की धरती पर चीतों का पुनर्वास, देश ही नहीं अपितु एशिया महाद्वीप का महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। इस इंटरकांटिनेंटल प्रोजेक्ट के लिए कूनो (श्योपुर) का चयन, प्रदेश के लिए सौभाग्य का विषय है। प्रदेश के वन विभाग के अमले की लगन और अथक परिश्रम से इस व्यापक परियोजना का सफल क्रियान्वयन संभव हो पाया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा, कि क्षेत्र में चीतों का कुनबा निरंतर बढ रहा है। इससे पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा, रोजगार के अवसर सृजित होंगे और चंबल क्षेत्र की अर्थव्यवस्था समग्र रूप से सशक्त होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया को जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए।

2 पक्षों में मारपीट, 11 पर क्रास प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मारपीट के मामले में पुलिस ने 11 लोगों पर क्रास प्रकरण दर्ज किया। बांसखेडी निवासी राजेश पिता कारुलाल मालवीय ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि रंजिश के चलते मांगीलाल बागरी, दिनेश बागरी, मुकेश बागरी व कपिल बागरी ने बागरी ने शिकायत दर्ज कराई कि प्रहलाद बागरी, शिवलाल बागरी, प्रकाश बागरी, विष्णु बागरी, ममता बागरी, रेशम बागरी व कैलाशीबाई बागरी ने गाली-गलौज की व मेरे व रिश्तेदारों के साथ मारपीट की। पुलिस ने दोनों पक्षों के 11 लोगों पर क्रास प्रकरण दर्ज किया।

सड़क हादसे में शिक्षक की मौत

नीमच, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले के रतनगढ़ थाना क्षेत्र के नीमच-सिंगोली मार्ग पर बरेखन गौशाला के पास एक वाहन ने बाइक सवार शिक्षक को टक्कर मार दी। हादसे में घायल हुए शिक्षक वीरेंद्र पालीवाल डीकेन के निवासी थे। वे रतनगढ से अपने घर लौट रहे थे। गंभीर रूप से घायल वीरेंद्र को एंबुलेंस से तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया था। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक एक निजी स्कूल में शिक्षक के रूप में कार्यरत थे।सोमवार सुबह नीमच के बड़े अस्पताल में परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। अज्ञात वाहन की तलाश जारी है।

नाबालिग दस्तयाब

पिपलियामंडी, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नाबालिग बालिका को पुलिस ने हरियाणा से दस्तयाब किया। पुलिस के अनुसार गांव खात्याखेडी से करीब 15 दिन पूर्व नाबालिग बालिका अपहृत हो गई थी। जिसे पिपलिया पुलिस ने रेवाडी (हरियाणा) से दस्तयाब कर परिजनों को सुपुर्द किया।

पत्नी को पीटा, प्रकरण दर्ज-पति ने पत्नी को पीटा, पुलिस ने केस दर्ज किया। मल्हारगढ थाने पर धनगर मोहल्ला निवासी दिव्या पति संजय धनगर ने शिकायत दर्ज कराई कि घरेलू विवाद में पति संजय धनगर ने गाली-गलौज की व मारपीट की, जिससे चोंट आई। पुलिस ने संजय के खिलाफ केस दर्ज किया।

सजने लगी मटकों की दुकानें

गुजरात-राजस्थान से आए मिट्टी के बर्तन, एसी-कूलर की मांग भी बढ़ी

मंदसौर, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। गरमी बढ़ने के साथ बाजार में एयर कंडीशनर से लेकर कूलर व पंखों की मांग भी बढ़ गई है। अब हर कोई गरमी से राहत पाने के लिए जतन करते हुए दिखाई दे रहा है। घरों में पंखों से लेकर कूलर चलने के साथ बाजार में भी मांग बढ गई है तो बाजार में गरमी से सुकून देने वाले मिट्टी के बर्तनों की दुकानें भी सज चुकी है। गुजरात व राजस्थान के मिट्टी से बने बर्तन मालवा में गरमी के दौरान लोगों को राहत देने के लिए पहुंचे है।

बाजार में इलेक्ट्रॉनिक की दुकानों पर एसी से लेकर पंखों की बिक्री हो रही है तो कूलर को लेकर कई अस्थायी दुकानें भी खुल चुकी है। इलेक्ट्रानिक व्यापारियों की मांने तो होली के बाद गर्मी से राहत देने वाले इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की बिक्री भी तेजी से बढेगी। गर्मी से राहत पाने के लिए घरों में मिट्टी के बर्तनों का उपयोग भी तेजी से बढ़ गया है। पानी ठंडा रखने के लिए मिट्टी के बर्तन रखे जा रहे है। इस बार मंदसौर में गुजरात के राजकोट व अहमदाबाद से लेकर अन्य शहर के साथ ही राजस्थान के अजमेर व बासवाड़ा से मिट्टी के बर्तन तैयार होकर पहुंच गए है, इनकी मांग भी अधिक है। सिर्फ मिट्टी का मटका ही नहीं बल्कि मिट्टी के कई प्रकार के फैंसी बर्तनों की बिक्री भी जमकर हो रही है। गर्मी बढ़ने के साथ मिट्टी के बर्तनों की दुकान बाजारों में सज चुकी है।

इस माह के अंत तक बढ़ जाएगी गरमी...

पिछले एक सप्ताह से जिले में गरमी ने तेवर दिखाना शुरू कर दिए है। सोमवार को अधिकतम तापमान भी 35 डिग्री तक पहुंच गया तो न्यूनतम तापमान 22 डिग्री रहा। वहीं हवाओं का रूख भी जारी है। 13 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार जिले में हवा चल रही है। तेज गरमी के बीच हवाओं के कारण हीटवेव का असर दिख रहा है। माना जा रहा है कि इस माह के अंत तक तापमान और अधिक तेज होगा। पारा 40 डिग्री तक भी पहुंच सकता है। बढते तापमान के बाद लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल रही है।

विचार-मंथन

भारत-मारीशस संबंधों में नई ऊर्जा...

भारत और मारीशस के बीच संबंधों का एक लंबा इतिहास रहा है और दुनिया में समकालीन उथल-पुथल के बीच लगभग हर दौर में अलग-अलग स्तर पर दोनों देशों के बीच साझेदारी के नए अध्याय लिखे जाते रहे। इसी क्रम में अगली कड़ी के तौर पर भारतीय प्रधानमंत्री की मारीशस यात्रा को कई कारणों से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसलिए भी कि दुनिया इस समय भू-राजनीति के एक जटिल दौर से गुजर रही है और इसमें आर्थिक और सामरिक मोर्चे पर नए ध्रुव बन रहे हैं। ऐसे में भारत के रुख पर विकासशील देशों या 'वैश्विक दक्षिण' के साथ-साथ महाशक्ति माने जाने वाले देशों की भी नजर रहती है। यों जब शीतयुद्ध के दौरान दुनिया दो मुख्य ध्रुवों में बंटी हुई थी और कई देशों के नीतिगत फैसले भी उसी से तय होते थे, उस दौर में भी भारत की अहमियत जगजाहिर रही। अब पिछले कुछ समय से अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के साथ-साथ दुनिया भर में बन रहे नए समीकरण के बीच भी भारत का रुख सभी देशों के लिए मायने रखता है। अच्छा यह है कि भारत ने महाशक्ति कहे जाने वाले से लेकर बाकी तमाम देशों के साथ अपने संबंधों को खास महत्व दिया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री की ताजा मारीशस यात्रा के आखिरी दिन 'उन्नत रणनीतिक साझेदारी के लिए भारत-मारीशस का संयुक्त दृष्टिकोण' जारी किया गया, जो मुख्य रूप से दोनों देशों के बीच खास और अनूठे संबंधों को रेखांकित करता है। इस दौरान बनी सहमति के तहत बुनियादी ढांचा कूटनीति, वाणिज्य, क्षमता निर्माण, वित्त, आवास, अपराध की जांच, समुद्री वातावरण निगरानी, डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित बातचीत के जरिए द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया गया। इसमें भारत द्वारा मारीशस की नई संसद भवन का निर्माण भी शामिल है। पिछले कुछ वर्षों में चीन के रवैये के मद्देनजर रक्षा और समुद्री सुरक्षा सहयोग को भारत और मारीशस के बीच संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ मान कर साझेदारी के सफर को आगे बढ़ाना भी एक अहम कड़ी है। हालांकि मुक्त और सुरक्षित हिंद महासागर क्षेत्र सुनिश्चित करने के मामले में साझा प्रतिबद्धता वाले देश के रूप में इन दोनों देशों को एक स्वाभाविक साझेदार माना जाता है। यही वजह है कि क्षेत्र में समुद्री चुनौतियों का सामना करने और व्यापक रणनीतिक हितों की सुरक्षा के लिए मिल कर काम करने का अपना पुराना संकल्प दोहराया। दरअसल, भारतीय विदेश नीति की प्राथमिकता सूची में 'पड़ोस प्रथम' के तहत भी मारीशस का स्थान महत्वपूर्ण है। हिंद महासागर में मारीशस अपनी भौगोलिक अवस्थिति की वजह से भारत के लिए एक बेहद अहम रणनीतिक साझेदार है। भारत को भी इसकी अहमियत का भान है, इसलिए मित्रता का स्वाभाविक दायित्व निभाने के साथ-साथ भारत ने पिछले कुछ वर्षों में मारीशस में कई विकास योजनाओं में निवेश किया है। इस क्रम में दोनों देशों के बीच रिश्ते में एक गहराई भी आई है। रणनीतिक लिहाज से मारीशस की भारत के साथ बढ़ती घनिष्ठता से चीन का असहज होना स्वाभाविक ही है, क्योंकि बीते कुछ समय से चीन कई स्तर पर ऐसी गतिविधियां जारी रखे हुए है, जिससे भारत को घेरा जा सके। उम्मीद की जा सकती है कि मारीशस के साथ भारत का संबंध अब एक नए अध्याय में प्रवेश करेगा, जिसमें नई वैश्विक परिस्थितियों के मुताबिक रणनीतियां तय होंगी।

ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी निर्णयों से कैसे निपटे भारत

प्रहलाद सबनानी

ट्रम्प प्रशासन अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के हो रहे आयात पर टैरिफ की दरों को लगातार बढ़ाते जाने की घोषणा कर रहा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन के अनुसार इन देशों द्वारा अमेरिका से किए जा रहे विभिन्न उत्पादों के आयात पर ये देश अधिक मात्रा में टैरिफ लगाते हैं। चीन, कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले विभिन्न उत्पादों के आयात पर तो टैरिफ को बढ़ा भी दिया गया है। इसी प्रकार भारत के मामले में भी ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि भारत, अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाता है अतः अमेरिका भी भारत से आयात किए जा रहे कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा। इस संदर्भ में हालांकि केवल भारत का नाम नहीं लिया गया है बल्कि «टिट फोर टेट» एवं «रेसिप्रोकल» आधार पर कर लगाने की बात की जा रही है और यह समस्त देशों से अमेरिका में हो रहे आयात पर लागू किया जा सकता है एवं इसके लागू होने की दिनांक भी 2 अप्रेल 2025 तय कर दी गई है। इस प्रकार की नित नई घोषणाओं का असर अमेरिका सहित विभिन्न देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर स्पष्टतः दिखाई दे रहा है एवं शेयर बाजारों में डर का माहौल बन गया है। भारत ने वर्ष 2024 में अमेरिका को लगभग 74,000 करोड़ रुपए की दवाईयों का निर्यात किया है। 62,000 करोड़ रुपए के टेलिकॉम उपकरणों का निर्यात क्या है, 48,000 करोड़ रुपए के पर्ल एवं प्रेशस स्टोन का निर्यात किया है, 37,000 करोड़ रुपए के पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात किया है, 30,000 करोड़ रुपए के स्वर्ण एवं प्रेशस मेटल का निर्यात किया है, 26,000 करोड़ रुपए की कपास का निर्यात किया है, 25,000 करोड़ रुपए के इस्पात एवं अल्युमिनियम उत्पादों का निर्यात किया है, 23,000 करोड़ रुपए सूती कपड़े का निर्यात का किया है, 23,000 करोड़ रुपए की इलेक्ट्रिकल मशीनरी का निर्यात किया है एवं 22,000 करोड़ रुपए के समुद्रीय उत्पादों का निर्यात किया है। इस प्रकार, विदेशी व्यापार के मामले में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा साझीदार है। अमेरिका अपने देश में विभिन्न वस्तुओं के आयात पर टैरिफ लगा रहा है क्योंकि अमेरिका को ट्रम्प प्रशासन एक बार पुनः वैभवशाली बनाना चाहते है परंतु इसका अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ही विपरीत प्रभाव होता हुआ दिखाई दे रहा है। अमेरिकी बैंकों के बीच किए गए एक सर्वे में यह तथ्य उभरकर सामने आया है कि यदि अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के आयात पर टैरिफ इसी प्रकार बढ़ाये जाते रहे तो अमेरिका में आर्थिक मंदी की सम्भावना बढ़कर 40 प्रतिशत के ऊपर पहुंच सकती है, जो हाल ही में जे पी मोर्गन द्वारा 31 प्रतिशत एवं गोल्डमैन सैक्स 24 प्रतिशत बताई गई थी। इसके साथ ही, ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी निर्णयों की घोषणा में भी एकरूपता नहीं है। कभी किसी देश पर टैरिफ बढ़ाने के घोषणा की जा रही है तो कभी इसे वापिस ले लिया जा रहा है, तो कभी इसके लागू किए जाने

के समय में परिवर्तन किया जा रहा है, तो कभी इसे लागू करने की अवधि बढ़ा दी जाती है। कुल मिलाकर, अमेरिकी पूंजी बाजार में रुके हुए निर्णय होते हुए दिखाई दे रहे हैं जिससे इस पूंजी बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों का आत्मविश्वास टूट रहा है। और, अंततः इस सबका असर भारत सहित अन्य देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर पड़ता हुआ भी दिखाई दे रहा है। हालांकि, ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ को बढ़ाए जाने सम्बंधी लिए जा रहे निर्णयों का भारत के लिए स्वर्णिम अवसर भी बन सकता है। क्योंकि, भारतीय जब भी दबाव में आते है तब वे अपने लिए बेहतर उपलब्धियां हासिल कर लेते हैं। इतिहास इसका गवाह है, कोविड महामारी के खंडकाल में भी भारत ने दबाव में कई उपलब्धियां हासिल की थीं। भारत ने कोविड के खंडकाल में 100 से अधिक देशों को कोविड बीमारी से सम्बन्धित दवाईयां एवं टीके निर्यात करने में सफलता हासिल की थी। विदेशी व्यापार के मामले में चीन, कनाडा एवं मेक्सिको अमेरिका के बहुत महत्वपूर्ण भागीदार है। वर्ष 2021-22 के आंकड़ों के अनुसार, उक्त तीनों देश लगभग 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का व्यापार प्रतिवर्ष अमेरिका के साथ करते हैं। इसके बावजूद अमेरिका ने उक्त तीनों देश के साथ व्यापार युद्ध प्रारम्भ कर दिया है। भारत के साथ अमेरिका का केवल 11,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का ही व्यापार था। अब ट्रम्प प्रशासन की अन्य देशों से यह अपेक्षा है कि वे अमेरिकी उत्पादों के आयात पर टैरिफ कम करें अथवा अमेरिका भी इन देशों से हो रहे विभिन्न उत्पादों पर उसी दर से टैरिफ वसूल करेगा, जिस दर पर ये देश अमेरिका से आयातित उत्पादों पर वसूलते हैं। यह सही है कि भारत अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर अधिक टैरिफ लगाता है क्योंकि भारत अपने किसानों और व्यापारियों को बचाना चाहता है। भारत में कृषि क्षेत्र के उत्पादों पर 25 से 100 प्रतिशत तक आयात कर लगाया जाता है जबकि कृषि क्षेत्र के अतिरिक्त अन्य उत्पादों पर कर की मात्रा बहुत कम है। भारत ने विनिर्माण एवं अन्य क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ा ली है परंतु कृषि क्षेत्र में अभी भी अपनी उत्पादकता बढ़ाना है। हाल ही के समय में भारत ने कई उत्पादों के आयात पर टैरिफ की दर घटाई भी है। भारत के साथ दूसरी समस्या यह भी है कि यदि भारत आयातित उत्पादों पर टैरिफ कम करता है तो भारत में इन उत्पादों के आयात बढ़ेंगे और भारत को अधिक अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता पड़ेगी इससे भारतीय रुपये का और अधिक अवमूल्यन होगा तथा भारत में मुद्रा स्फीति का दबाव बढ़ेगा। विदेशी निवेश भी कम होने लगेगा और अंततः भारत में बेरोजगारी बढ़ेगी। भारत में सप्लाई चैन पर दबाव भी बढ़ेगा। इन समस्त समस्याओं का हल है कि भारत अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करे। परंतु, अन्य देश चाहते हैं कि द्विपक्षीय समझौतों में कृषि क्षेत्र को भी शामिल किया जाय, इसका रास्ता आपसी चर्चा से निकाला जा सकता है। अमेरिका एवं ब्रिटेन के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते सम्पन्न करने की चर्चा तेज गति से चल रही है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान यह घोषणा की गई थी कि भारत और अमेरिका के बीच विदेशी व्यापार को 50,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष के स्तर पर लाए जाने के प्रयास किए जाएंगे। इस सम्बन्ध में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर तेजी से काम चल रहा है। दूसरे, अब भारत को उद्योग एवं कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ानी होगी। हर क्षेत्र में लागत कम करनी होगी ताकि भारत में उत्पादित वस्तुएं विश्व के अन्य देशों के साथ प्रतिस्पर्धा में खड़ी हो सकें। भारत में रिश्वतखोरी की लागत को भी समाप्त करना होगा। भारत में निचले स्तर पर घूसखोरी की लागत बहुत अधिक है। भूमि, पूंजी, श्रम, संगठन एवं तकनीकि की लागत कम करनी होगी।

चार खतरनाक आतंकी गुटों से जूझ रहा पाकिस्तान...

पवन अग्रेती

पाकिस्तान सुरक्षा के लिहाज से अपने सबसे खराब दौर से गुजर रहा है। इस मुल्क पर हमेशा ही आतंकवाद को बढ़ावा देने के आरोप लगते रहे हैं और मौजूदा वक्त में यही आतंकवाद उसके गले की फांस बन गया है। वह सिर्फ एक आतंकी या विद्रोही गुट से नहीं बल्कि चार अलग-अलग आतंकी संगठनों से लड़ाई लड़ रहा है। इन चार संगठनों के नाम तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए), इस्लामिक स्टेट खुरासान (आईएसके) और अफगान तालिबान हैं। इनमें से तीन संगठन- टीटीपी, बीएलए और आईएसके पाकिस्तान में लगातार आतंकी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं जबकि अफगान तालिबान पर आरोप है कि वह टीटीपी को मदद देता है। इस वजह से पाकिस्तान की सुरक्षा तो खतरे में है ही, इस मुल्क की इकनॉमी भी बर्बाद हो रही है।हाल ही में आई जीटीआई 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान दुनिया का दूसरा ऐसा देश बन गया है जो आतंकवाद से सबसे ज्यादा प्रभावित है। जीटीआई रिपोर्ट को आईईपी ने प्रकाशित किया है। यह रिपोर्ट दुनिया भर के 163 देशों में हुई आतंकवादी घटनाओं में मरने वालों, घायलों और इसके असर के बारे में बताती है। रिपोर्ट बताती है कि 2024 के दौरान पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों में 45 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में पाकिस्तान में 517 आतंकवादी हमले हुए थे जबकि 2024 में इनका आंकड़ा 1099 हो गया है। जीटीआई की रिपोर्ट में पहली बार ऐसा हुआ है जब पाकिस्तान में किसी साल में 1000 से ज्यादा आतंकवादी हमले हुए हैं। ऐसे में समझा जा सकता है कि इस इस्लामिक मुल्क की हालत कितनी खराब है। बीएलए के द्वारा ट्रेन को हाईजैक किए जाने के वाकये के बाद पाकिस्तान की हुकूमत और वहां की फौज ने एक बार फिर आतंकवाद से लड़ने का संकल्प लिया है और कहा है कि आतंकियों को नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा। लेकिन जिस तरह बीएलए के अलगाववादियों ने जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक किया और पिछले कुछ महीनों में एक के बाद एक आतंकी हमलों को अंजाम दिया, उससे पाकिस्तानी फौज और हुकूमत के लिए अपने टारगेट को फतेह कर पाना आसान नहीं दिखता। ताजा हालात में ऐसा लगता है कि

बलूचिस्तान में पाकिस्तान का शासन नहीं रह गया है और यह पूरी तरह बलूच विद्रोहियों के कब्जे में आ गया है। इसके अलावा खैबर पख्तूनख्वा में भी हालात ठीक नहीं है और वहां भी लगातार आतंकी हमले होने की खबरें सामने आती रहती हैं। टीटीपी सबसे खतरनाक संगठन के रूप में पाकिस्तान के लिए मुसीबत बनकर सामने आया है। जीटीआई की रिपोर्ट कहती है कि 2024 में टीटीपी के हमलों में हुई मौतों में 90 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान टीटीपी ने पाकिस्तान में 482 हमले किए हैं और इसमें 558 लोगों की मौत हुई और 2011 के बाद यह आंकड़ा सबसे ज्यादा है। पाकिस्तान आरोप लगाता है कि अफगानिस्तान टीटीपी को मदद दे रहा है लेकिन अफगानिस्तान ने इस तरह के आरोपों को हमेशा खारिज किया है। ऐसा ही एक संगठन इस्लामिक स्टेट खुरासान भी पाकिस्तान में लगातार अपने पैर पसार रहा है। उसने कई आत्मघाती बम धमाकों को अंजाम दिया है जिसमें हाल ही में 18 फरवरी को खैबर पख्तूनख्वा के एक मदरसे पर किया गया हमला भी शामिल है। इस हमले में एक मौलवी सहित छह लोग मारे गए थे। एक और आतंकवादी संगठन अफगान तालिबान ने हालांकि पाकिस्तान पर सीधे हमले नहीं किए हैं लेकिन यह कहा जाता है कि टीटीपी को उसका समर्थन हासिल है। फरवरी, 2025 में यूनाइटेड नेशंस की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि तालिबान टीटीपी को लॉजिस्टिक और वित्तीय मदद देता है। टीटीपी और इस्लामिक स्टेट खुरासान दोनों ही चीन को अपना दुश्मन मानते हैं। 2024 में कराची में चीनी वाणिज्य दूतावास पर हमला भी हो चुका है। इस तरह पाकिस्तान के सामने अरबों डॉलर के इस प्रोजेक्ट में काम कर रहे चीनी लोगों की हिफाजत करना भी चुनौती बना हुआ है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने बार-बार यह दिखाया है कि उसे पाकिस्तान की हुकूमत या फौज का कोई खौफ नहीं है।

विदेशों में हिन्दू मन्दिरों पर हमले दुर्भाग्यपूर्ण

भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस तरह की कुत्सित कोशिशों की तीव्र निंदा एवं भर्त्सना की है, सवाल यह उठता है कि जब ऐसी आजादी किसी सभ्य समाज के अहसासों से खिलवाड़ करे और दूसरों की धार्मिक आजादी का अतिक्रमण करने लगे तो क्या उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करनी चाहिए? खालिस्तानी अलगाववादियों से जुड़े कुछ अराजक तत्वों ने एक बार फिर अमेरिका में कैलिफोर्निया स्थित स्वामी नारायण मंदिर पर हमला किया है, हिन्दुओं वापिस भारत जाओ जैसे आपत्तिजनक संदेश लिखकर मंदिर को क्षति पहुंचायी गई है। हिन्दू मन्दिरों एवं आस्था पर बार-बार हो रहे ये हमले दुर्भाग्यपूर्ण एवं शर्मनाक है। आतंक फैलाने की मंशा से मंदिरों पर हमले की ऐसी घटनाओं का बार-बार होते रहना चिन्ता का सबब है। ऐसे पृथकतावादी तत्व हिंदुओं के खिलाफ विषवमन करके अपनी राजनीति चमकाना चाहते है एवं दबाव बनाना चाहते हैं। भारतीय सांझा संस्कृति में मिलजुलकर रहने वाले समाजों को विभाजित करके घृणा, नफरत एवं द्वेष उत्पन्न करने वाले तत्वों को न केवल बेनकाब करने की जरूरत है बल्कि उन्हें नेस्तानाबूंद किया जाना चाहिए। बात केवल खालिस्तानी अलगाववादियों की नहीं है, मुस्लिम आतंकवादी भी विभिन्न देशों में हिन्दू धर्म, मन्दिर, आस्था एवं संस्कृति पर ऐसे ही हमले करके दहशत फैला रहे हैं। हिन्दू समुदाय नफरत के खिलाफ मजबूती से खड़ा है, वह कभी भी नफरत को जड़ नहीं जमाने देगा। लेकिन अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा सरकारों द्वारा ऐसे मामलों की अनदेखी और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई न करना विडम्बनापूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण है। भारत सरकार को भी कड़े कदम उठाते हुए सख्त संदेश देना चाहिए। अमेरिका के अलग-अलग राज्यों में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाए जाने को खालिस्तान समर्थकों से जोड़कर देखा जा रहा है। दक्षिण कैलिफोर्निया के चिनो हिल्स इलाके में स्थित मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखे गए और मन्दिर को क्षति पहुंचाई गयी। माना जा रहा है कि खालिस्तान जनमत संग्रह से पहले साजिश के तहत ये हमला किया गया है। कुछ दिन पहले न्यूयार्क में भी स्वामीनारायण मंदिर पर भी हमला हुआ था। 25 सितंबर को कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो स्थित स्वामीनारायण मंदिर को भी निशाना बनाया गया था, तोड़फोड़ की गई और उस पर आपत्तिजनक संदेश भी लिख दिए गए हैं। आपत्तिजनक यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा में सक्रिय ऐसे तत्वों को इन देशों की सरकारों द्वारा राजनीति के चलते खुला समर्थन देना एवं अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर प्रश्रय दिया जाना बर्दाश्त से बाहर होता जा रहा है, कब तक खामोश रहा जाये? कैलिफोर्निया में स्वामीनारायण मंदिर पर हुई घटना से पहले लंदन में विदेश मंत्री एस जयशंकर के गाड़ी के सामने खालिस्तान समर्थकों ने प्रदर्शन किया था, जिसे सामान्य घटना नहीं माना जा सकता। जो खालिस्तान समर्थक विदेश मंत्री के काफिले तक कूद गया, वह सुनियोजित ढंग से हमला भी कर सकता था। निश्चित तौर पर यह ब्रिटिश पुलिस की कोताही एवं लापरवाही है। उस समय खालिस्तानी उग्रवादी ने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगे' का भी अपमान किया। विडंबना यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा के साथ पाकिस्तान, बांग्लादेश की सरकारें ऐसे हमलों व मंदिरों को अपवित्र करने, उनको नुकसान पहुंचाने, अराजक माहौल खड़ा करने की घटनाओं को अभिव्यक्ति की आजादी के दायरे में रखकर आंखें मूंद लेती हैं या कुछ देश कट्टरतावाद के चलते उन देशों के अल्पसंख्यक समुदायों पर तरह-तरह के हमले होने देती है। यह विडम्बना ही है कि जब दूसरे देशों में उनके धर्म के लोगों के पूजा स्थलों पर हमले होते हैं तो उसे धार्मिक आजादी व मानवाधिकारों का संकट बताने लगते हैं।

खिड़की माता का भव्य मेला 20 को, बैठक में हुआ निर्णय

मंदसौर, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नगर पालिका परिषद के द्वारा दिनांक 20 मार्च गुरुवार को श्री खिड़की माताजी का भव्या मेला आयोजित किया जाएगा मेला की व्यवस्थाओं को लेकर कल सोमवार को नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर की अध्यक्षता एवं मेला समिति सभापति श्रीमति भावना जयप्रकाश पमनानी, सदस्यगण श्रीमती प्रतिभा भैरवे, प्रमिला गोयल, श्रीमती मंजू मालवीय की उपस्थिति में श्री खिड़की माता मेला समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में नपाध्यक्ष श्रीमति गुर्जर एवं सभापति श्रीमति पमनानी ने मेला आयोजन को लेकर समिति के सदस्यों के साथ चर्चा की और मेला का कैसे भव्यतम रूप से आयोजित किया जाए इस संबंध में मेला लिपिक राजेंद्र निमा को आवश्यक निर्देश भी दिए नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर व मेला समिति सभापति श्रीमति पमनानी ने कहा कि मेला स्थल पर सफाई एवं पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए मेला स्थल पर गर्मी को देखते हुए टेंट आदि की व्यवस्था भी की जाए मेला में जो कार्यक्रम होना है उसकी तैयारी कर ले, मेला स्थल पर नगरपालिका के द्वारा जो आवश्यक प्रबंध किया जाना है उसका जायजा लेने के लिए मेला समिति मेला स्थल का अवलोकन भी करेगी

शुभम के नेत्रों से दो लोगों की जिंदगी होगी रोशन

मंदसौर, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। युवा शुभम पिता प्रकाशचन्द्र अग्रवाल का आकस्मिक निधन हो गया। इस विपरीत परिस्थिति में परिवारजनों ने उनके नेत्रदान लायंस क्लब मन्दसौर के माध्यम से कराकर दो जिंदगियों को जीवन भर दुनिया को देखने का अवसर प्रदान किया। शुभम के नेत्र उत्सर्जन प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. किशोर शर्मा ने किए। इस पुनीत कार्य में समाजसेवी सुनील बंसल एवं अग्रवाल समाज अध्यक्ष आशीष गुप्ता का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर उपस्थित लायन अध्यक्ष जितेन्द्र पोरवाल, सचिव सिद्धार्थ पोरवाल, प्रोजेक्ट चेयरमैन लायन विकास भंडारी, उपाध्यक्ष रत्नेश कुदार ने श्रद्धांजलि प्रकट करते हुए परिवारजनों को उनके इस साहस पूर्ण निर्णय के लिए कृतज्ञता व्यक्त करी। लायंस क्लब अध्यक्ष जितेन्द्र पोरवाल ने बताया कि लायंस क्लब नेत्रदान हेतु लोगों को जागरूक कर रहा है। जिससे लोग नेत्रदान के लिए आगे आ रहे हैं, ताकि जरूरतमंदों को रोशनी दी जा सके। आपने सभी से आव्हान किया कि दिवंगतों के नेत्रदान अवश्य कराये।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5538

			2	4		6		
9								3
1					3		4	5
5	6			7		1		
		4	8		5	9		
		1		6			5	2
6	9		5					1
4								9
		8		9	6			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5537

4	1	6	9	2	3	5	8	7
5	8	2	4	1	7	6	9	3
3	9	7	6	8	5	4	1	2
7	3	9	1	6	4	2	5	8
1	5	8	3	7	2	9	4	6
6	2	4	8	5	9	7	3	1
9	7	3	2	4	1	8	6	5
2	6	1	5	9	8	3	7	4
8	4	5	7	3	6	1	2	9

वर्ग पहेली 5538

संकेत: बाएं से दाएं
1. विम्बलडन टेनिस में अपनी जीत दर्ज कराने वाली प्रथम भारतीय महिला (5)
4. चंद्रमा के पुत्र जो नवग्रहों में से एक है (2)
6. जो भाग्य में लिखा हो, प्रारब्ध (2)
7. प्रेमी, सजन, बालमा (3)
8. डांवाडोल होना, डगमगाना (4)
10. दिन, दिवस (2)
11. रपटन, फिसलाहट, आलुंचन (4)
13. प्रत्येक पक्ष की तीसरी तिथि (2)
15. आनन्द, एक संगीत वर्ग (3)
16. डांवाडोल, अनुकूल (2)
19. अवाम, पब्लिक, रैयत (2)
21. सन् 2015 की सुपरहिट फिल्मों में से एक (4)
22. मिट्टी खोदने का एक फावड़ेनुमा औजार (3)

ऊपर से नीचे
1. गुजरात की एक प्रसिद्ध नदी जिसके किनारे अहमदाबाद व गांधीनगर जैसे नगर बसे हुए हैं (5)
2. उपचार, समाधान, निराकरण (3)
3. प्राप्त हुआ, उपलब्ध होना, समाविष्ट होना, यथारूप होना (3)
4. कायर, डरपोक, भीरु (4)
5. जिसके पास अपार संपत्ति हो, रईस, धनपति (4)
9. व्याकरण में वह शब्द जिसके वाक्य पर कर्ता की क्रिया का प्रभाव पड़े, वह जो किया जावे (2)
11. कांच के उद्योग के लिए प्रसिद्ध है उत्तर प्रदेश का यह नगर विशेषतः चूड़ी बनाने के लिए (5)
12. हालचाल, हालवार, हकीकत (2)
14. सरगम फिल्म से अपनी अभिनय यात्रा शुरू करने वाली अभिनेत्री जो इन दिनों राजनीति में सक्रिय है (4)
15. अक्षि, आंख, अंबक, लोचन (2)
17. कारण, हेतु (3)
18. नकली, कृत्रिम, नेह, मैत्र (2)
20. वायुवेग, कुशलता, पुरुषार्थ (2)

वर्ग पहेली 5537 का हल

अ	नि	ल	अ	बा	नी	■	वि
का	जी	■	ग	ल	■	नि	श्व
ल	■	मी	द	क	■	ला	ना
ह	ह	■	■	■	श	प	थ
स	न	हा	र	■	मी	■	न
■	न	ल	क	■	म	हू	अ
बु	■	■	मी	ना	■	■	न
त	स्वी	र	■	म	क	ला	द

श्रीमती शान्ति देवी तोमर की स्मृति में कई सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं को सहयोग राशि प्रदान की

पुष्पांजली कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिक, राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि हुए शामिल

मंदसौर, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेसा सेवानिवृत जिला आयुष अधिकारी कैलासवासी डॉ लालसिंह तोमर की धर्मपत्नी एवं शहर कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर एवं जितेन्द्र सिंह तोमर की माता जी व जिला कांग्रेस महामंत्री बबीता सिंह तोमर की सासू जी के निधन पर रविवार को भागवत नगर गरबा उद्यान में पुष्पांजली/ श्रद्धांजली का आयोजन किया गया। इस दौरान बडी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिक शामिल हुए। इस अवसर पर माता जी श्रीमती शान्ति देवी तोमर की स्मृति को चिरायु बनाने के लिए तोमर परिवार की ओर से नगर की विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं को सहयोग राशि प्रदान की गई। जिनमें अपना घर निराश्रित बाल गृह को 5100,श्री गणेश मंदिर नई आबादी 2100,श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर 2100, श्री प्रात: कालीन आरती मंडल पशुपतिनाथ मंदिर 2100,श्री तोप वाले बालाजी मंदिर कोर्ट 2100,सिद्धचक्र शिव मन्दिर,श्री तीन छत्री बालाजी मंदिर 2100,श्री बालाजी मंदिर हीरा की बगीची केसामने 2100,श्री गोपाल कृष्ण गौशाला 2100,वात्सल्य धाम वृद्धाश्रम 2100,अनामिका महिला गृह 2100,श्री धुंधलीपाल महादेव मंदिर रेवास देवडा 2100,श्री अन्नक्षेत्र न्यास मंदसौर 2100,रोटी बैंक गांधी चौराहा 2100 एवं डॉ लालसिंह तोमर स्मृति संस्थान की रचनात्मक गतिविधियों के लिए 51,000 की सहयोग राशि प्रदान की गई।

पुष्पांजली/श्रद्धांजली कार्यक्रम में राज्य सभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर,पूर्व विधायक श्री नवकृष्ण पाटिल,श्रीमती पुष्पा भारतीय,पूर्व नपा अध्यक्ष मोहम्मद हनीफ शेख, वरिष्ठ पत्रकार डॉ घनश्याम बटबाल, कोमलसिंह तोमर,पुखराज दशौरा, भीमसेन डाबी,प्रदेश कांग्रेस सचिव महेंद्र सिंह गुर्जर,कांग्रेस नेता मनजीत सिंह टुटेजा, राजपूत समाज के एम पी सिंह परिहार, भाजपा नेता अजय सिंह चौहान,ब्राहमण समाज के अध्यक्ष पंडित दिलीप शर्मा, मंदसोर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रघुवीर सिंह पवार,सचिव प्रवीण जैन,समाजसेवी अशोक सैनी,सुनील बंसल,ग्वाला समाज के अध्यक्ष अनिल मसानिया, जिला प्रेस क्लब के अध्यक्ष पुष्पराज सिंह राणा, ब्रजेश जोशी, पण्डित अरुण शर्मा,अभिभाषकगण में सर्वश्री कांतिलाल राठौर, युसूफ खेडीवाला, राजकुमार सिंह देवडा,सुनील शर्मा, विश्वनाथ सोनी,भेरुलाल कुमावत, दिनेश प्रजापत, देवेंद्र मरचया,राजू रेकवार, दिलीप देवडा,विनोद शर्मा, अजय सिखवाल, शैलेंद्र जोशी ,पंकज जोशी, सत्येंद्र सिंह सोम, जगदीश राठौर, हरीश सेंगर, कॉन्ग्रेस नेताओं में सर्वश्री रविंद्र सिंह राका, तरुण खींची, राजनारायण लाड, राजेंद्र छाजेड,सुरेश शर्मा, सुरेंद्र कुमावत ,राजेंद्र सेठिया,विकास दशोरा, किशोर गोयल राजेश फरक्या, आमीन खान, नियाज अहमद ,वरुण भारती, राजेश बंधवार, सुनील बसेर ,महेश गुप्ता, अजय सोनी, राजेश फरक्या, विजेश मालेचा, वहिद

जैदी ,निर्मल बसेर, राजीव गुलाटी, राजेंद्र सेठिया, सुदीप पाटिल, जितेन सोपरा, वरुण भारतीय ,नियाज़ अहमद, सुरेश भाटी , कमलेश सोनी, सम्यक जैन , मिथुन कटारिया,प्रीतम पंचोली, सुदर्शन सिंह शक्तावत, दशरथ सिंह राठोर,शुभम कुमावत, नीतेश सतीदासानी, रवि जैन,आमिर खान,रमेश ब्रिजवानी, संजय नाहर, आशीष जैन, नितिन जेन, नेमीचंद राठोर ,नरेंद्र धनोतिया, आशुतोष नवाल, मनीष पुरोहित, डॉ अजय व्यास, कैलाश चन्द्र पांडेय,विजय शर्मा पोपट, बाबा पंचोली,प्रकाश सिसौदिया, शैलेंद्र सिंह राठोर, राजेश पाठक, रमेशचंद्र चन्द्रे,पंडित गोपाल पंचारिया, बालू सिंह सिसोदिया, पंडित संतोष पुरोहित,हनुमंत सिंह राणावत,संजय राठौर,गणेश सोनगरा, विष्णु कश्यप, सत्य प्रकाश गर्ग, दिलीप नागदा, महेश मोदी,हुकुमचंद पंवार, नरेंद्र बंधवार,अजय सिंह कुशवाह, संतोष शर्मा,श्यामलाल जोकचन्द, अनिल शर्मा,नन्द किशोर अग्रवाल हुक्कू सेठ,सुनील बसेर,सुषमा आर्य, सोनाली जैन,सरोज सिंह सिसोदिया,रफत पयामी,निशा महाराणा,सीमा राठौर,रीना बसेर,कुसुम विश्वकर्मा, सोनिया जैन,नेहा धाकड, ज्योति कुशवाह आदि ने अपनी ओर से शोक संवेदनाएं व्यक्त की।

कई जानीमानी हस्तियों, राजनेताओं,सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के शोक संदेश प्राप्त हुए- श्रीमती तोमर के निधन पर देश,प्रदेश के राजनेताओं, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं ने अपनी ओर से शोक संवेदनाएं प्रेषित की। जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री श्री कलमनाथ,पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजयसिंह,नोबेल पुरस्कार प्राप्त बाल अधिकार कार्यकर्ता श्री कैलाश सत्यार्थी,अखिल भारतीय कांग्रेस संगठन प्रभारी श्री के सी वेणुगोपाल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी, प्रदेश प्रभारी श्री हरीश चौधरी,पूर्व सांसद श्री रामेश्वर नीखरा,सुश्री मीनाक्षी नटराजन,पूर्व मंत्रीगण श्री नरेन्द्र नाहटा, श्री सुभाष कुमार सोजतिया,श्री बाला बच्चन, श्री सज्जनसिंह वर्मा,लोकसभा प्रत्याशी श्री दिलीप सिंह गुर्जर,विधायक श्री विपिन जैन,जयवर्धनसिंह,महेश परमार, पूर्व विधायकगण श्री नवकृष्ण पाटिल, श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, श्रीमती पुष्पा भारतीय,पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री प्रकाश रातडिया,कांग्रेस की वरिष्ठ नेता शोभा ओझा, डॉ अर्चना जायसवाल,कांग्रेस नेता परशुराम सिसोदिया,राकेश पाटीदार,जिला अभिभाषक संघ मंदसौर अध्यक्ष श्री रघुवीरसिंह पंवार,सचिव श्री प्रवीण जैन,तलाई वाले बालाजी ट्रस्ट अध्यक्ष श्री धीरेन्द्र त्रिवेदी,मध्यप्रदेश सर्व ब्राह्मण समाज उपाध्यक्ष अरुण शर्मा,राजपूत महापंचायत जिला अध्यक्ष अरविंद सिंह खोडाना,श्री अन्न क्षेत्र न्यास मंदसौर,श्री फतेहपुरिया अग्रवाल समाज ट्रस्ट,श्री ओसवाल लोडे साथ समाज अध्यक्ष सुरेन्द्र नलवाया,सेवा बैंक,सिंह राजपूत सामाजिक संगठन,दशपुर जागृति संगठन,श्री मेड क्षत्रिय स्वर्णकार समाज,अजय सोनी,शीतला माता मन्दिर समिति,जिला मेड क्षत्रिय स्वर्णकार समाज,मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी रजक समाज प्रकोष्ठ आदि ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

सरपंचों के खिलाफ एक-तरफा कार्रवाई नहीं की जाए..!

पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसौदिया ने पंचायत मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल को लिखा पत्र

मंदसौर, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। त्रि-स्तरीय पंचायतीराज में ग्राम पंचायतो का महत्वपूर्ण स्थान होता है तथा भारत सरकार की और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी, गरीब कल्याणकारी योजनायें तथा विकास की योजनाओं को लेकर पंचायत स्तर पर कार्य व्यवस्था एवं कार्यों की पूर्णता को लेकर अंजाम तक पहुंचाने मे पंचायतों से उम्मीद की जाती है, पंचायतो को इन कार्य योजनाओं के लिये जिम्मेदार भी माना गया है। अक्सर पंचायतो में गडबडी, अनियमितता एवं भ्रष्टचार को लेकर प्राप्त शिकायतो पर कार्यवाही का शिकार धारा-40 एवं अन्य नियमों के अंतर्गत संरपंचों पर कार्यवाही हो जाती है और सारी जिम्मेदारी का ठिकरा सरपंचों के माथे फोड दिया जाता है।

यह बात पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री यशपाल सिंह सिसौदिया ने कही। आपने पंचायत मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल को लिखे पत्र में कहा कि शिकायतो से दो-दो हाथ सरपंचो को जनपद पंचायत, जिला पंचायत अनविभागीय अधिकारी राजस्व, अतिरिक्त कलेक्टर, कलेक्टर न्यायालय, कमिश्नर न्यायालय और उच्च न्यायालय तक अपने बचाव के लिये व स्पष्टीकरण देने के लिये दौडभाग करना पडती है, जिसमे शारीरिक, मानसिक और आर्थिक सब तरह की परेशानी सरपंचो को ही झेलना पडती है। निर्माण विकास कार्यों एवं गरीब कल्याण ऐजेण्डे को लेकर कार्य व्यवस्था की तकनीकी स्वीकृती, प्रशासकीय स्वीकृती, ऐजेंण्डे से संबंधित खानापूर्ति तथा लेखा का कार्य यह सब अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी करते है और इन सारी प्रक्रियाओं मे ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत एवं जिला पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी एवं कर्मचारी भी शामिल रहते है लेकिन दोषारोपण एवं दोष करार सिर्फ सरपंचों को ही भोगना पडता है। श्री सिसौदिया ने कहा कि जनप्रतिनिधियों से संबंधित जितनी भी अन्य संस्थायें होती है उन संस्थाओ (विभाग) मे कार्यवाही अधिकारी एवं कर्मचारी पर भी होती है, सरपंच अपने आप को निर्दोष ठहराने को लेकर तथा पद से हटा दिये जाने के निर्णय पर न्यायालय की शरण मे निर्दोष होने को लेकर अभिभाषकों (वकीलों) के माध्यम से परेशानी झेलना रहता है। श्री सिसौदिया ने पत्र के माध्यम से आग्रह किया कि सिस्टम में अकेला सरपंच दोषी न हो और अधिकारी एवं कर्मचारी जिनके संज्ञान मे निर्माण/विकास कार्य, हितग्राहीमूलक योजनायें, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, गरीब कल्याण योजनायें आती है पर जिम्मेदारी सरपंच के साथ-साथ अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर भी सुनिश्चित किये जाने को लेकर आप नीतिगत निर्णय लेने का कष्टकर आदेश प्रदान करें।

महाकुंभ में आंखों की चिकित्सा सेवा ने कीर्तिमान स्थापित किये

52 दिनों तक 343 नेत्र चिकित्सकों ने 2 लाख 37 हजार से अधिक रोगियों का किया उपचार

मंदसौर, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। सक्षम मालवा प्रांत सचिव रविंद्र पाण्डेय ने बताया कि हिन्दू धर्म-संस्कृति और उसके आध्यात्मिक दिव्य प्रकाश को भारत ही नहीं सम्पूर्ण विश्व के कोने-कोने तक विस्तारित करने का कार्य इस बार के भव्य-दिव्य महाकुम्भ ने किया है। तीर्थराज प्रयाग की पावन धरती पर आयोजित महाकुम्भ में अनेक सेवा कार्यों नें सम्पूर्ण विश्व का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। उन्हीं सेवा कार्यों में आँखों के स्वास्थ्य सुधार का एक अद्वितीय अनुकरणीय आयोजन हो रहा था। नेत्रकुम्भ-2025, जो अपने समापन के साथ ही कीर्तिमान बनाने में सफल रहा।

रविन्द्र पाण्डेय ने बताया कि यह महान सेवा यज्ञ दिव्यांगों के सशक्तीकरण हेतु समर्पित राष्ट्रीय संगठन सक्षम के नेतृत्व में अनेक सेवाभावी संगठनों के सहयोग से यशस्वी रहा। यह आयोजन 5 जनवरी से प्रारम्भ होकर 27 फरवरी पर्यन्त गतिमान रहा। वास्तव में प्रथमतरू नेत्रकुम्भ की परिकल्पना 2019 में प्रयागराज की पावन धरा पर आयोजित अर्द्ध कुम्भ के अवसर पर आकार लेने लगी। श्री पाण्डेय ने बताया कि हमारे देश में आँखों के स्वास्थ्य को लेकर बहुत गंभीर चुनौती खडी हो रही है। सम्पूर्ण देश के बारे में विचार करें तो 01 करोड 25 लाख भाई बहन पूरी तरह से दृष्टिबाधित या लो-विजन के शिकार है और इस बडी संख्या में 15 लाख के आस-पास ऐसे लोग हैं जो कोर्निया की खराबी के कारण से देख नहीं पाते। हमारे देश के लोगों में श्रद्धा भक्ति भावनात्मक लगाव बहुत है। लेकिन दुर्भाग्य से जागरूकता की बहुत कमी होने के कारण नेत्रदान जितना चाहिए उतना नहीं हो रहा है इस दृष्टि से सम्पूर्ण देश में एक बडा जनजागरण क्योंकि दृष्टिबाधित लोगों की संख्या और न बढे और जो दूर किया जा सकने वाला अंधत्व है उस पर भी ठीक से सभी आँखों के चिकित्सालय मिलकर काम करें क्योंकि अपने देश में पचास करोड से अधिक लोग ऐसे हैं जिनको चश्मा ही चाहिए अतरू आँखों के स्वास्थ्य के बारे में इन्हीं सब तथ्यों को ध्यान में रखते हुए नेत्रकुम्भ की रचना मूर्त रूप लेने लगी प्रारम्भ में माननीय सह सरकार्यवाह परम आदरणीय डॉ. कृष्णगोपाल जी की प्रेरणा से इसकी

व्यापक योजना-रचना बनी परिणामस्वरूप प्रथम नेत्रकुम्भ आशातीत सफल रहा। 2 लाख से अधिक लोगों के नेत्र जाँच करने का अवसर मिला और 1 लाख 55 हजार से अधिक अपने भाई-बहिनों को निःशुल्क दवा व चश्मा देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। पहले आयोजन की अद्भुत सफलता के परिणामस्वरूप प्रत्येक कुम्भ के शुभ अवसर पर यह सेवा कार्य सुनिश्चित हो गया। सन् 2021 में कोरोना की भीषण महामारी के शुरुआत में ही हरिद्वार के पावन धरा पर माँ गंगा की गोद में अर्द्ध कुम्भ प्रारम्भ हुआ। अस्थाई निर्माण की अनुमति न होने से छोटे-छोटे 8 नेत्र जाँच केन्द्र प्रारम्भ किए गए लेकिन मेला अपने पूरे उफान पर आने से पूर्व ही समाप्ति की घोषणा हो गई। विपरीत परिस्थितियों में भी 50 हजार श्रद्धालुओं के नेत्रों की जाँच सम्भव हुई तथा 38 हजार लोगों को निःशुल्क दवा व चश्मा प्रदान किया गया। श्री पाण्डेय ने बताया कि इस बार गंगा,यमुना व सरस्वती मैया की कृपा से लाखों लोगों के नेत्रों की चिकित्सा का सौभाग्य प्राप्त हुआ जिसमें - निःशुल्क नेत्र जाँच, दवा, चश्मा व ऑपरेशन की विशेष सुविधा प्रदान की गई जिसके अन्तिम आँकडे इस प्रकार है। कुल दिवस - 53, सहयोगी संस्थाएं - 52, नेत्र चिकित्सक 343, ऑप्टोमेट्रिस्ट्स - 489, प्रबन्धक - 2700, नेत्र जाँच लाभार्थी - 2,37,964, चश्मा व दवा वितरण - 1,63,652, मोतियाबिन्द ऑपरेशन - 17,069 हुए है।

इस बार के नेत्रकुम्भ में आँखों की जाँच के अतिरिक्त भी कुछ विशेष उल्लेखनीय कार्य सम्पन्न हुए- पूरे समय 2 ओपीडी युनिट डायबिटीज की जाँच की भी चली उन्हें दवा के साथ-साथ खानपान व योग्य दिनचर्या हेतु उचित मार्गदर्शन दिया गया। अत्याधुनिक मशीन द्वारा 10 मिनिट में ब्लड सैंपल के माध्यम से 50 से भी अधिक प्रकार की रिपोर्ट दी जा रही थी। 3.सामान्य जाँच हेतु भी 2 ओपीडी युनिट का संचालन हुआ। सैंकडों लोगों ने नेत्र दान का संकल्प भरकर दृष्टिबाधितों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया। मुँह के केंसर की जाँच के लिए भी 2 व्यक्युनिट का संचालन हुआ। दृष्टिबाधित दिव्यांग बन्धु-भगिनियों के जीवन को सुगम्य करने के उद्देश्य से लेस स्मार्ट विजन ग्लास ज्योति व स्मार्ट केन (छडी) सारथी स्मार्ट फोन के साथ वितरित किया गया। कुछ दृष्टिबाधितों को रोलर युक्त छडी भी प्रदान की गई। दृष्टिबाधित दिव्यांगों द्वारा सुमधुर सुन्दरकाण्ड, भजन कीर्तन व कविता पाठ का आयोजन हुआ। श्री पाण्डेय ने बताया कि इस सम्पूर्ण आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग निम्न संस्थाओं का रहा, जिनके समर्पण के कारण ही यह नेत्रकुम्भ यशस्वी हुआ। जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार, द हँस फाउंडेशन, उत्तराखण्ड, श्री रणछोडदास बापु जी चौरिटेबल अस्पताल, राजकोट, ईस्कॉन, श्री गोवर्धन इको विलेज पालघर, मुम्बई, राष्ट्रीय सेवा भारती, नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन, .स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन, उत्तराखण्ड, श्री रज्जु भैया सेवा न्यास, प्रयागराज, श्री भाउराव देवरस न्यास, लखनऊआदि का सहयोग रहा है। मानव मात्र की यह सेवा सदैव स्वर्णिम अक्षरों में लिखी जाएगी।

गायत्री परिवार व वर्क संस्था के श्रमदानी ने कालाखेत बावड़ी में श्रमदान कर कचरा निकाला

मंदसौर, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेसा कालाखेत स्थित बावडी में गायत्री परिवार के श्रमदानियों ने दो घण्टे में आधी ट्राली कचरा निकालकर इकट्ठा किया व नपा को सूचना दी कि भरकर ले जाये।

सामाजिक संस्था गायत्री परिवार के कार्यकर्ता अपना अमूल्य समय निकालकर सफाई अभियान में लगे हुए है पर जनता को भी थोडा समझना चाहिये पानी में ही कचरा डाला जा रहा है। इतनी गंदगी हो गई है पानी दूषित हो गया है। 12 साल से गायत्री परिवार ने बावडी को कई बार साफ कर दिया वहां की जनता नहीं समझ रही है। गंदगी न करे न करने दे। मुख्यमंत्रीजी ने बावडी का सफाई अभियान चलाया था फिर वहीं दशा हो गई हैं जब तक ठोस कार्यवाही नहीं होगी जनता को समझ में नहीं आयेगी। आने वाले समय में पानी ही दूषित हो जायेगा। पानी के स्त्रोत ही खत्म हो जायेंगे तो हेण्डपम्प से गरीब जनता पानी लाती है यही पानी तो हेण्डपम्प में जाता है। पानी के स्त्रोत पूरे साल गर्मी में भी पानी कम नहीं पडता है, बावडी तालाब नदी की सफाई गर्मी में करवाना चाहिए। गहरीकरण यहां की बावडी बहुत पुरानी है और पुरे साल पानी भरा रहता है नगरपालिका को पेड पौध व पानी मोटर द्वारा ले सकते है। शासन प्रशासन को कार्य करना चाहिए और अधिकारी सेर्व करे और कार्य को गति प्रदान करे। श्रमदानी रमेश सोनी ने गायत्री परिवार व नगरपालिका से मिलकर 15 दिन श्रमदान किया था और नगरपालिका के जाली लगाने का कहा था। यह कार्य अधूरा पडा हुआ है। नपा एक साल से अधूरे इस कार्य को कराये जिससे गंदगी रूक सके। स्वच्छता अभियान के प्रभारी हर्ष शर्मा ने कहा कि हम दो घण्टे अपना अमूल्य समय निकालकर श्रमदान कर रहे है और फिर कोई व्यक्ति गंदगी फैलाता है उस पर चालानी कार्यवाही करना चाहिये नहीं तो श्रम बेकार हो जायेगा। नपा शासन प्रशासन इस पर पूरा ध्यान दे। सफाई अभियान के मांगीलाल ने कहा कि सफाई अभियान में व्यक्ति को जुडना और और सफाई अभियान में सामग्री उपलब्ध करानी चाहिए। जिससे अभियन को ओर गति मिलेगी। मिशन 2026 अभियान चलाया जा रहा है।

वन स्टाप सेंटर पर महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

मंदसौर, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। 17 मार्च 2025 को वन स्टॉप सेंटर मंदसौर में महिलाओं एवं बालिकाओं को 181 के बारे में बताया गया व उसका प्रचार प्रसार किया गया। साथ ही घरेलू हिंसा से पीड़ित महिला की जानकारी दी गई।

इस दौरान बताया कि पीडित महिला तुरन्त महिला हेल्पलाईन नम्बर पर फोन कर सकती है अगर फोन नहीं कर सकती है तो नूतन स्कुल के सामने वन स्टॉप सेन्टर पर प्रत्यक्ष आकर अपनी बात बता सकती है। शिकायत पीडित महिला एवं उसके बच्चे, पडोसी, परिवार का सदस्य या अन्य व्यक्ति जिसें घरेलू हिंसा होने की जानकारी है दर्ज करवा सकते है वन स्टॉप सेंटर महिला एवं बालिकाओं के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहता है महिला हेल्पलाइन 181 के अंतर्गत सभी प्रकार की हिंसा के पीडित महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही स्थान पर अस्थाई आश्रय पुलिस डेस्क विधिक सहायता चिकित्सा एवं काउंसलिंग की सुविधा कराई जाती है। इस अवसर पर सायबर हेल्पलाईन नम्बर 1930 की जानकारी भी दी कि किस प्रकार सतर्क रहकर न सिर्फ हम स्वयं की सुरक्षा कर सकते है बल्कि अपने परिवार और आप पास के लोगो को भी जागरूक कर सकते है। चाइल्ड हेल्पलाइन नम्बर 1098 बताया गया। महिला और बच्चों की सुरक्षा के लिए जागरूक करने हेतु समझाइश दी गई और प्रचार प्रसार किया गया।

शाउमावि नंदावता का परीक्षा परिणाम श्रेष्ठ रहा

नंदावता, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नंदावता की स्थानीय परीक्षा कक्षा 9वी मै कुल छात्र छात्राऐ 76 बैठे जिसमे पायल गजेंद्र लौहार 95%, अर्पित गोपाल सेन 91%, विद्या मोहन लाल 88%,संतोष कवर लाल88%, बलराम किशन 87% का विशिष्ट स्थान रहा। 61छात्र छात्राऐ उत्तीर्ण रहे। तीन विद्यार्थी को पूरक तथा 12 विद्यार्थी अनुत्तीर्ण रहे। कुल मिलाकर परिणाम 80.6 % रहा।इसी प्रकार विद्यालय की कक्षा 11वी का परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत रहा जिसमे 56 विद्यार्थी बैठे जिसमे दिव्या महेश 83 %, कमलेश अम्बालाल 80%, चेतना राजू 80% ,निशा अनिल 77%,सानिया मुस्ताक 74% का विशिष्ट स्थान रहा। छात्रो की उपलब्धि पर प्रभारी प्राचार्य वजेराम बामनिया , रामरतन कुमावत, दुर्गालाल सेन, शम्भू सिंह खरवर, मनोहर झावा,कंवर लाल प्रजापत, कैलाश पाटीदार, चन्द्र शेखर हलकारा ,पिंकी कुमावत, प्रेरणा उपाध्याय, गायत्री प्रसाद शर्मा, अरविंद पटेल, रानू सेन, प्रीति पाटीदार, पूजा शर्मा, पूजा मालवीय, मान गिरी आदि ने विद्यार्थियो को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामनाऐ की।

एडीएम श्रीमती गामड़ की अध्यक्षता में पेंशन फोरम की बैठक सम्पन्न

एडीएम ने किया दिसम्बर, जनवरी माह में सेवानिवृत्त 25 शासकीय सेवकों का सम्मान

नीमच, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय पेंशन फोरम की बैठक सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिला पेंशन अधिकारी श्री बीएम सुरावत ने पूर्व बैठक के पालन प्रतिवेदन की जानकारी देते हुए बताया, कि जिले में पूर्व के लंबित 16 पेंशन प्रकरणों में से 4 पेंशन प्रकरणों का निराकरण कर दिया गया है। शेष 12 प्रकरण न्यायालय, लोकायुक्त एवं विभागीय जाँच के फलस्व रूप लंबित है। प्रतिमाह निर्धारित समयावधि में पेंशन प्रकरण प्रस्तुत किए जा रहे है। मार्च 2024 से मार्च 2025 तक कुल प्राप्त 212 में से 198 पेंशन प्रकरण निराकृत कर दिए है। पुनरीक्षित पेंशन प्रकरण 95 का निराकरण कर दिया गया है। बैठक में पेंशन अधिकारी ने लंबित पेंशन प्रकरणों एवं लंबित रहने के कारणों सहित विभागवार जानकारी भी दी।

इस अवसर पर एडीएम श्रीमती गामड द्वारा माह दिसम्बर 2024 एवं माह जनवरी 2025 में सेवानिवृत्त हुए विभिन्न विभागों के 25 शासकीय सेवकों को जिला पेंशन कार्यालय की ओर से पीपीओ, जीपीओ आदेश प्रदान कर एवं शॉल एवं श्रीफल भेंटकर एवं पुष्पहार पहनाकर, सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला पेंशन अधिकारी श्री बी.एम.सुरावत, सहायक पेंशन अधिकारी श्री राजू मेहर, पेंशनर्स संघ के श्री राधेश्याम पुरोहित एवं श्री के.के.कर्णिक एवं पेंशनर्स संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य गण सहित सेवानिवृत्त शासकीय सेवक एवं उनके परिजन उपस्थित थे।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हितग्राहियों को घर पहुंच, टेकहोम राशन प्रदान करें

कलेक्टर ने जिला पोषण समिति की बैठक में दिए निर्देश

नीमच, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जिले की सभी आंगनवाडी कार्यकर्ता टेकहोम राशन लेने आंगनवाडी नहीं आने वाले हितग्राहियों को उनके घर जाकर, टेकहोम राशन प्रदान करें और शतप्रतिशत हितग्राहियों को लाभांवित करें। महिला एवं बाल विकास विभाग जिले में विभागीय योजनाओं, कार्यक्रमों, गतिविधियों की वार्षिक लक्ष्य पूर्ति करने के लिए 31 मार्च 2025 के पूर्व सभी पैरामिटर्स पर कार्य करें, प्रगति बढाए। लक्ष्य पूर्ति नहीं करने पर संबंधित के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी। यह निर्देश कलेक्टकर श्री हिमान्शु चन्द्रा ने सोमवार को कलेक्टोधरेट सभाकक्ष नीमच में जिला पोषण समिति की मासिक बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को दिए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, एसडीएम श्री संजीव साहू, सुश्री प्रीति संघवी, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री टी.सी.मेहरा सहित सभी परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के सभी अधिकारियों को कलेक्टर ने निर्देशित किया कि वे स्वयं एक-एक आंगनवाडी केन्द्र अंर्तगत सभी परिवारों का सर्वे कर सभी हितग्राहियों की प्रविष्टिपोषण ट्रेकर पर दर्ज करवाकर प्रतिवेदन अगली बैठक में प्रस्तुत करें। बैठक में कलेक्टर ने आधार सत्यापित हितग्राहियों को टेकहोम राशन वितरण की समीक्षा के दौरान जिले की परियोजनाओं की प्रगति संतोषजनक नहीं पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुये मनासा परियोजना एवं नीमच ग्रामीण परियोजना में आधार सत्यापित हितग्राहियों को टेकहोम राशन प्रदाय की स्थिति संतोषजनक नहीं पाए जाने पर परियोजना अधिकारी मनासा एवं परियोजना अधिकारी, नीमच ग्रामीण के विरूद्ध विभागीय जांच संस्थित करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, नीमच को विभागीय जांच अधिकारी नियुक्त किया हैं। बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना अन्तर्गत द्वितीय प्रसव पंजीकृत हितग्राहियों के लक्ष्य पूर्ति की समीक्षा के दौरान परियोजना नीमच शहर एवं रतनगढ परियोजना को छोडकर अन्य परियोजनायें मनासा 56.11 प्रतिशत, जावद 60.60 प्रतिशत, नीमच ग्रामीण 64.28 प्रतिशत तथा रामपुरा 64.54 प्रतिशत न्यूनतम होने के कारण लक्ष्य पूर्ति 31 मार्च के पूर्व करने हेतु कारण बताओं सूचना प्रत्र जारी करने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिए। जिला पोषण समिति बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव ने सुझाव दिया, कि वजन मापक यंत्र खराब होने पर अपने स्तर से मरम्मत करवाकर प्रदान करें, साथ ही कन्डम वजन मापक मशीनों की मांग विभाग प्रमुख को प्रेषित करें। उन्हो ने सुझाव दिया कि आंगनवाडी कार्यकर्ता द्वारा टेकहोम राशन प्राप्त करने हेतु आंगनवाडी केन्द्र पर नहीं आने की दशा में हितग्राहियों को टेकहोम राशन घर पहुंच प्रदान किया जावे तथा शतप्रतिशत हितग्राहियों को लाभान्वित किया जावे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	45	2260	2340
उडद	0000	0000	0000
सोयाबीन	3740	3500	4100
गैहु	14800	2320	2680
चना	400	4430	5401
मसुर	200	5550	6000
धनिया	420	5221	8201
लहसुन	16000	4000	6500
मैथी	1740	3636	5681
मुंगफली	876	4501	5300
अलसी	838	4501	5941
सरसो	150	5180	5460
तारामीरा	15	4646	4734
इसबगोल	17	8600	12700
प्याज	1507	560	1421
कलोंजी	0000	0000	0000
तुलसी बीज	0000	0000	0000
डॉलर	27	5600	7880
तिल्ली	5	8401	9011
जौ	40	2000	2000
मटरसुखी	10	3550	3700
असालीया	8	5301	5580
चियाबीज	51	10280	13921

इस साल की गर्मी बहुत सतायेगी

मई-जून को लेकर चिंताजनक भविष्यवाणी, एसी-कूलर सब हो जाएंगे फेल

नई दिल्ली, 17 मार्च। देशभर में अभी गर्मी ठीक से पडनी शुरू भी नहीं हुई, लेकिन इसे लेकर अभी से चिंताएं बढने लगी है। भारत के टॉप ग्रिड ऑपरेटर ने मई-जून को लेकर चिंतित करने वाली भविष्यवाणी की है। ग्रिड ऑपरेटर ने चेतावनी दी है कि इन दो महीनों में बिजली की भारी किल्लत का सामना करना पड सकता है।

नेशनल लोड डिस्पैच सेंटर (एनएलडीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, विशेष रूप से गैर-सौर घंटों (नॉन-सोलर ऑवर्स) में बिजली की मांग और आपूर्ति के बीच 15-20 गीगावॉट की कमी हो सकती है। ऐसे में अगर अभी से एहतियाती कदम नहीं उठाए गए तो भारी लोड शेडिंग करना पड सकता है। इंडियन एक्सप्रेस ने एक रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि इस साल मई का महीना सबसे ज्यादा मुश्किल महीना साबित होगा। वहीं इसके बाद के महीनों में भी बिजली की भारी मांग बनी रहेगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इन महीनों में बिजली की मांग चरम पर पहुंचने और नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में संभावित उतार-चढाव के कारण सिस्टम की कमजोरियां बढ सकती हैं।

सुबह-शाम ज्यादा किल्लत- ग्रिड पर दबाव कम करने के लिए रिपोर्ट में डिमांड साइड मैनेजमेंट अपनाने की सलाह दी गई है, जिसमें औद्योगिक और वाणिज्यिक इकाइयों को बिजली उपयोग को गैर-पीक घंटों में स्थानांतरित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। सौर ऊर्जा उत्पादन दिन के समय मांग को पूरा करने में मदद करता है, लेकिन इसकी अस्थिरता के कारण शाम और सुबह के समय बिजली आपूर्ति में कमी हो सकती है। वहीं, भारत की बेसलोड बिजली उत्पादन क्षमता, जो मुख्य रूप से कोयला आधारित संयंत्रों पर निर्भर है, पिछले कुछ वर्षों से स्थिर बनी हुई है, जिससे गैर-सौर घंटों में बिजली की मांग पूरी करने में कठिनाई हो रही है।

बिजली संकट की गंभीरता- रिपोर्ट के अनुसार, मई 2025 में लोड लॉस प्रायबिलिटी (एलओएलपी) यानी मांग के मुकाबले बिजली आपूर्ति कम रहने की संभावना 19 प्रतिशत है, जबकि औसत स्थिति में यह बढकर 31 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। जून में भी यह जोखिम 4.7 प्रतिशत से 20।1 प्रतिशत तक हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है, बिजली की अनुपलब्धता मुख्य रूप से मई और जुलाई 2025 में देखी जाएगी, जो अक्सर 15 गीगावॉट से अधिक हो सकती है। यह कमी खासतौर पर गैर-सौर घंटों में होने की संभावना है, क्योंकि सौर ऊर्जा के समय ग्रिड को पर्याप्त आपूर्ति मिलती है।

बिजली भंडारण समाधान जरूरी- इस संकट से निपटने के लिए केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने 18 फरवरी को एक महत्वपूर्ण परामर्श जारी किया है, जिसमें सौर ऊर्जा संयंत्रों के साथ ऊर्जा भंडारण प्रणालियों बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम – BESS और पम्प्ड स्टोरेज प्लांट – PSP को स्थापित करने की सिफारिश की गई है। ये सिस्टम दिन के समय अतिरिक्त सौर ऊर्जा को स्टोर कर सकते हैं और रात में या मांग बढने पर इसे ग्रिड में वापस छोड सकते हैं। इस साल गर्मियों में बिजली की मांग 270 गीगावॉट तक पहुंचने का अनुमान है, जो पिछले साल के 250 गीगावॉट से अधिक है। ऐसे में ग्रिड प्रबंधकों के लिए यह चुनौतीपूर्ण समय साबित हो सकता है।

नगरों के सुव्यवस्थित विकास के लिये महत्वपूर्ण निर्णय, 2 मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के गठन की कार्यवाही

मंदसौर, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगिक विकास और निवेशकों को बढावा देने के साथ-साथ नगरों के सुव्यवस्थित विकास के लिये महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये हैं। राज्य में 2 मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र (महानगर) की कार्यवाही नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा की जा रही है। पहला मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र इंदौर-उज्जैन-देवास और धार को मिलाकर विकसित करने की कार्यवाही चल रही है। इसी प्रकार दूसरा मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र भोपाल-सीहोर-रायसेन-विदिशा-ब्यावरा (राजगढ) को मिलाकर विकसित करने की कार्यवाही चल रही है। इनके गठन से मध्यप्रदेश को एक आर्थिक विकास केन्द्र के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

क्षेत्रीय आर्थिक विकास केन्द्र- केन्द्र सरकार के विजन के अनुरूप, राज्य के प्रमुख संभाग मुख्यालय ग्वालियर, सागर, रीवा, जबलपुर, नर्मदापुरम और शहडोल को क्षेत्रीय आर्थिक विकास केन्द्र (रीजनल इकॉनामिक ग्रोथ हब) के रूप में विकसित किया जा रहा है। राज्य सरकार का यह प्रयास प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ-साथ रोजगार, व्यापार और निवेश के नये अवसरों को भी बढावा देगा।

टीडीआर पोर्टल- प्रदेश की नगरीय क्षेत्र की भूमि बहुमूल्य संसाधन है, जिसका सुव्यवस्थित उपयोग शहरी विकास के लिये अति आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखते हुए टीडीआर (ट्रांसफर ऑफ डेवलपमेंट राइटस) नियम बनाये गये हैं। इन नियमों के क्रियान्वयन के लिये ऑनलाइन प्रक्रिया निर्धारित की गयी है। ऑनलाइन प्रक्रिया के लिये टीडीआर पोर्टल तैयार किया गया है। यह पोर्टल भवन निर्माताओं और सम्पत्ति मालिकों को विकास अधिकारों के हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करता है। इससे उन्हें मुआवजे के रूप में अतिरिक्त निर्माण क्षमता प्राप्त होती है।

ग्रीन एफएआर कॉन्सेप्ट- ग्रीन एफएआर कॉन्सेप्ट को इंटीग्रेटेड टाउनशिप पॉलिसी के अंतर्गत हरित क्षेत्र, वूडेड क्षेत्र और सिटी फॉरेस्ट के विकास के लिये प्रस्तुत किया गया है। यह कॉन्सेप्ट न केवल शहरी सौंदर्य को निखारेगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

इंटीग्रेडेट टाउनशिप पॉलिसी- राज्य सरकार ने सतत शहरी विकास को प्रोत्साहित करने के लिये इंटीग्रेटेड टाउनशिप पॉलिसी-2025 बनायी है। इस नीति का उद्देश्य निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की भागीदारी के माध्यम से सुव्यवस्थित, आधुनिक और आत्मनिर्भर टाउनशिप विकसित करना है। यह नीति बेहतर बुनियादी सुविधाएँ, हरित आवासीय क्षेत्र और स्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढावा देगी। इस नीति में लैण्ड पूलिंग कॉन्सेप्ट को भी अपनाया गया है, जिससे भूमि स्वामियों को उचित मुआवजे के साथ विकास में भागीदारी का अवसर मिलेगा। प्रदेश में भवन निर्माण की अनुमति को प्रक्रिया को पारदर्शी और जवाबदेही व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के लिये ऑटोमेटिक बिल्डिंग परमीशन और अप्रूवल सिस्टम विकसित किया गया है। प्रदेश में अब तक 2 लाख 60 हजार आवेदनों को स्वीकृत किया गया है।

टीकाकरण, बच्चों की गंभीर बीमारियों से सुरक्षा कर बढ़ाता है उनकी इम्युनिटी-मुख्यमंत्री

मंदसौर, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वस्थ बचपन, सशक्त भविष्य का आधार है। टीकाकरण बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाकर उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को मजबूत बनाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पर बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए प्रदेशवासियों से टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पर उत्तम स्वास्थ्य और स्वस्थ भारत के लिए टीकाकरण के शत-प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति के लिए सहभागिता करने का संकल्प लेने का आव्हान किया है।

कलेक्टर आज मनासा में जनसुनवाई करेंगे

नीमच, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। जनसामान्य की समस्याओं, शिकायतों के निराकरण के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के कई आवेदकों का स्थानीय स्तर पर संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु जनसुनवाई कार्यक्रम प्रत्येक मंगलवार को जिला मुख्यालय एवं खण्ड स्तर पर आयोजित कर आवेदनों का निराकरण किया जा रहा हैं। इसी क्रम में आज 18 मार्च 2025 को कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा जनपद पंचायत मनासा में प्रात: 11 बजे से दोपहर एक बजे तक जनसुनवाई करेंगें। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण के लिए विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। मनासा क्षेत्र के ग्रामीणों, नागरिकों से जनपद सभाकक्ष मनासा में आज 18 मार्च 2025 को प्रात: 11 बजे से आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम का लाभ उठाने का आगृह किया गया हैं।

आयुष्मान आरोग्य शिविर सेजपुरिया में सम्पन्न

मंदसौर, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुष (हैल्थ एंड वेलनेस सेंटर आयुष कक्ष उ) द्वारा ग्राम सेजपुरिया में आयुष ग्राम कार्ययोजना अनुसार स्वास्थ्य गतिविधि अंतर्गत नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल थीम पर आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। साथ ही 100 दिवसीय निक्षय शिविर कार्ययोजना अंतर्गत टी.बी की जाँच भी की गई। जिसके अंतर्गत ग्रामीजनों के एक्स-रे भी किए गए।

शिविर में उपस्थित हुए बच्चो का स्वास्थय परीक्षण कर धात्री माताओ को शिशु परिचर्या से अवगत कराया गया एवं बच्चो के आहार विहार संबंधित जानकारी दी गई। विशेष रूप से कुपोषित बच्चो के परिजनों को समझाईश दी गई। गांव में बी.पी, शुगर की जांच तथा रोगो का उपचार कर स्वास्थ्य संबंधित काउंसिलिंग एवं नि:शुल्क आयुष औषधियों का वितरण किया गया। साथ ही योगा प्राणायाम, दिनचर्या, ऋतुचर्या, मौसमी बिमारियों, आहार विहार और विभागीय योजनाओं से संबंधित जानकारी दी गई। इस शिविर में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ.तपस्या शर्मा, सीएएमओ डॉ. मोहित वधवा, पैरामेडिकल स्टॉफ श्री विक्रम सिंह राणा, श्री शक्ति सिंह पंवार योग प्रशिक्षक, ग्राम पंचायत सरपंच, जनप्रतिनिधियों, विद्यालय स्टॉफ, आशा कार्यकर्त्ता, आंगनवाडी स्टॉफ उपस्थित थे । शिविर में पुरूष लाभार्थियों 42, महिला लाभार्थियों की संख्या 76, कुल लाभार्थियों की संख्या 118 एवं 70 व्यक्तियो की टी बी स्क्रीनिंग हेतु जांच की गई।

गायत्री परिवार ने मनाया रात्रिकालीन दीप यज्ञ कार्यक्रम

पिपलियामंडी, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के योजना अंतर्गत आदर्श ग्राम खोखरा समिति ने अखिल विश्व गायत्री परिवार तहसील इकाई के माध्यम से रात्रिकालीन दीप यज्ञ का आयोजन हुआ। गायत्री परिवार तहसील समन्वयक, परिषद के सेक्टर प्रभारी इंद्रजीत भट्टने बताया कि मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा मल्हारगढ तहसील के आदर्श ग्रामों में समरसता के भाव से ग्राम के प्रत्येक समाज को जोडते हुए आध्यात्मिक गतिविधियां यज्ञ, हवन, दीप, यज्ञ, देव स्थापना, 16 संस्कार, मंत्र जाप, लेखन, नशा मुक्ति, विवाद मुक्त ग्राम, संस्कार केंद्रों स्थापना की जा रही है। ताकि प्रत्येक ग्राम से सतयुग के सृजन सैनिकों का निर्माण हो सके, जिसमें नारी शक्तियों को समाज की प्रथम पंक्ति में नेतृत्व के रूप में आगे लाया जा सके। इसी क्रम के तहत आदर्श ग्राम खोखरा में रात्रि को अखिल विश्व गायत्री परिवार युवा प्रकोष्ठ जिला संयोजक, गायत्री चेतना केंद्र कोलवा ट्रस्ट मंडल सदस्य कैलाश चौहान एवं कमलेश सांवलिया सीतामऊतहसील युवा प्रकोष्ठनाहरगढ द्वारा दीप यज्ञ का संचालन किया। ग्रामवासियों को सामूहिक रूप से गायत्री महामंत्र, महामृत्युंजय मंत्र का उच्चारण करते हुए ग्रामवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ दीप यज्ञ सम्पन्न हुआ। विकासखंड समन्वयक अर्चना भट्टने कहा कि आदर्श

ग्राम तभी संभव है जब ग्राम वासियों का अपने गांव के प्रति प्रेम समर्पण हो विकास को लेकर सभी प्रयास हो उसके पूर्व हमारा प्रत्येक परिवार सदस्य आध्यात्मिक गतिविधियों में भी भाग ले, अपनी आने वाली पीढी को सनातन धर्म के रूप में पूर्ण संस्कारित बनाएं ताकि वे अपने परिवार और गांव की सेवा कर सके। दीप यज्ञ के दौरान विश्वेश्वरी भट्ट द्वारा ग्राम वासियों को संक्षिप्त रामायण सुनाई, पंडित रुद्राक्ष भट्ट द्वारा गायत्री की महिमा का गान किया ,आदर्श ग्राम समिति के हेमंत पाटीदार का जन्म दिवस सामूहिक मंत्र के साथ किया गया। गायत्री परिवार के कैलाश चौहान एवं कमलेश सांवरिया द्वारा गायत्री परिवार की विभिन्न गतिविधियों के बारे में ग्राम वासियों को संबोधित किया। इस अवसर पर मेंटर्स नरेंद्र पांडे, कविता पाटीदार, चंचल सेन, हेमलता पाटीदार, करण पाटीदार, करिश्मा पाटीदार, मंजू पाटीदार, ललित पाटीदार, रीना पाटीदार, अनिता पाटीदार, माया पाटीदार, शकुंतलाबाई, सरोजबाई, सुमित्रा देवी, मांगीबाई, नंदकुंवर बाई, मंजू पाटीदार, मधु पाटीदार, बाबूलाल पाटीदार, सुरेशचंद्र शर्मा, अनिलकुमार, पाटीदार, दुलीचंद सेन, रूपेश चंद्र पाटीदार, जगदीश चंद्र पाटीदार, शालिग्राम, दिलीप पाटीदार, अंबालाल, सुरेशचंद्र पाटीदार पुखराज पाटीदार, आदि दीप यज्ञ में सम्मिलित हुए।

सिंचाई फिडर से विद्युत प्रदाय का समय परिवर्तित

नीमच, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। म.प्र.प.क्षे.वि.वि.कं.नीमच के अधीक्षण यंत्री श्री आशीष आचार्य ने बताया, कि कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की पहल पर कंपनी द्वारा जिले में सिंचाई फिडर से विद्युत प्रदाय के समय में परिवर्तन किया गया है। नवीन समय सारणी के अनुसार दोपहर के विद्युत प्रदाय के समय में परिवर्तन कर ग्रुप अ का विद्युत प्रदाय समय प्रात:6 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा ग्रुप ब का समय शाम 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक एवं ग्रुप स का विद्युत प्रदाय समय प्रात: 5 से प्रात:11 बजे तक किया गया है।

उल्ले खनीय है, कि वर्तमान में नीमच जिले के अंतर्गत नीमच, जावद एवं मनासा संभाग में गेहूँ की फसलों की कटाई का कार्य प्रगति पर है गेहूँ की कटाई के फलस्वरूप खेतों में गेहूं की फसलो के ढेर खेतों में रखे हुए है। विगत कुछ दिनो से मौसम में बदलाव देखा जा रहा है, मौसम में परिवर्तन के कारण तेज हवाएँ चल रही है, साथ ही गर्मी का प्रकोप भी जारी है, तेज हवाओं के कारण विद्युत पोलो पर लगे तार आपस में टकराने की संभावना हो सकती है। तारो के टकराने पर खेतों मे रखी फसले में शार्ट सर्किट होने के परिणाम स्वरूप आगजनी की घटना होना भी संभावित है, ऐसे में किसानों द्वारा कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा को विद्युत प्रदाय के समय में परिवर्तन की मांग की गई। इस पर कलेक्टर ने विद्युत कंपनी विभाग के अधीक्षण यंत्री को जिले में सिंचाई फिडर के विद्युत प्रदाय के समय में परिवर्तन हेतु निर्देशित किया हैं। अत: जिले में विद्युत प्रदाय के समय में परिवर्तन विद्युत वितरण कंपनी द्वारा किया गया है। तदानुसार नवीन समय सारणी में दोपहर के समय में परिवर्तन कर ग्रुप 'अ' का सप्लाई प्रात: 6 बजे से 12 बजे, ग्रुप 'ब' का समय शाम 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक एवं ग्रुप 'स' का विद्युत प्रदाय समय प्रात: 5 बजे से प्रात: 11 बजे तक किया गया हैं।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में गुणवत्ता का विशेष तौर पर ध्यान रखे-कलेक्टर

मंदसौर, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक सुशासन भवन स्थित सभा गार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि, सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में गुणवत्ता का विशेष तौर पर ध्यान रखें। एसडीएम, तहसीलदार, पटवारी शिकायतों के निराकरण के लिए कैंप लगाए तथा कैंप से पूर्व आम लोगों को कैंप के बारे में सूचित भी करें। कृषि विभाग एवं उद्यानिकी विभाग आगामी समय में होने वाली फार्मर मीट के संबंध में आवश्यक तैयारियां पूर्ण करें। गेहूं उपार्जन के संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि सभी केंद्रों पर उपार्जन की संपूर्ण जानकारी के साथ फ्लेक्स चस्पा करें। सभी सर्वेयर की मैपिंग करें। भंडार क्षमता की संपूर्ण जानकारी रखें। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाए। केंद्र पर बेसिक सुविधा जिसमें पानी, छांव इत्यादि की पर्याप्त व्यवस्था हो। ई ऑफिस के अंतर्गत जिन विभागों के ई ऑफिस के कार्य पूर्ण नहीं हुए हैं वह जल्द पूर्ण करें। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, जिलाधिकारी मौजूद थे।

रिद्धि सिद्धि महिला मंडल ने मनाया फाग महोत्सव

पिपलियामंडी, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। रिद्धि सिद्धि महिला मंडल ने पावागढ माताजी पर फाग उत्सव मनाया और केक काटकर नया वर्ष भी मनाया। माताजी मंदिर में भजनों की प्रस्तुति पर नृत्य की प्रस्तुति दी। गेम आयोजित कर उपहार भी प्रदान किए। क्लब की प्रीति अग्रवाल, प्रतिभा राठौर, मधु अग्रवाल, मनीषा उदिया, शांति भूत, ममता शर्मा, चंदा गुप्ता, सविता सोनी, सुशीला अग्रवाल, कृष्णा अग्रवाल, ज्योति भूत, निकिता अग्रवाल, ललिता भूत, रीना पोरवाल, नीतू पोरवाल, श्वेता अग्रवाल, नीलम पोरवाल, कृष्णा भूत, रेखा अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल, आशा घाटिया मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के दूसरे चरण का सर्वे, पात्र परिवार 31 तक जुड़वा सकते हैं नाम

मंदसौर, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के द्वितीय चरण के लिए सर्वे प्रारंभ हो गया है। इसमें पात्र परिवारों के नाम 31 मार्च तक स्थाई प्रतीक्षा सूची में जोड़ने की कार्यवाही की जा रही है। योजना अंतर्गत केन्द्रीय मंत्री-मण्डल ने योजना को आगामी पांच वर्ष के लिये वित्तीय वर्ष 2024-25 से 2028-29 तक की मंजूरी दी है। इस संबंध ने ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार ने आवास प्लस की सूची को अद्यतन करने के लिए आवास प्लस सर्वे 2024 प्रारंभ किया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का सर्वे जिले में ग्राम पंचायत में नियुक्त किये गये सर्वेयर सचिव/रोजगार सहायक द्वारा किया जायेगा। सर्वे कार्य आवास प्लस एप-2024 से किया जाएगा। इसमें हितग्राही स्वयं के मोबाईल से भी आवेदन कर सकेंगे। इसके लिए मोबाइल एप्लीकेशन आवास प्लस 2.0 ग्रामीण विकास मंत्रालय एन.आई.सी द्वारा निर्मित किया गया है। इस ऐप की लिंक आवास सॉफ्टपोर्टल (https://pmayg.nic.in/infoapp.html) पर भी उपलब्ध है। सर्वे के लिए समस्तजिले/जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर के अधिकारियों एवं नामांकित सर्वेयर को प्रशिक्षण गया है। सर्वे 31 मार्च 2025 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा एक अप्रैल 2016 से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) प्रारंभ की गई। जिसके अंतर्गत सभी पात्र बेघर परिवारों और कच्चे तथा जीर्ण-शीर्ण मकानों में रह रहे परिवारों को बुनियादी सुविधा युक्त पक्का आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

नवीन सत्र 2025-26 के शुभारंभ पर शिक्षक-पालक संघ की बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 में आज नवीन शैक्षणिक सत्र 2025-26 के शुभारंभ के अवसर पर शिक्षक-पालक संघ की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का उद्देश्य विद्यालय, शिक्षक, पालक और छात्रों के बीच समन्वय स्थापित करना तथा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना था। बैठक में विद्यालय के प्राचार्य श्री विजय सिंह पुरावत, सभी शिक्षकगण, पालकगण और छात्र उपस्थित थे। प्राचार्य महोदय ने नवीन सत्र की योजनाओं और लक्ष्यों पर प्रकाश डाला तथा छात्रों की शैक्षणिक प्रगति के लिए पालकों के सहयोग की महत्ता पर बल दिया। मार्गदर्शी शिक्षकों में श्रीमती कीर्ति सक्सेना ने विषयवार आगामी पाठ्यक्रम, परीक्षा पैटर्न और सह-शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी साझा की। सभी शिक्षकों ने छात्रों की नियमित उपस्थिति, होमवर्क, परीक्षा परिणाम और अन्य संबंधित मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए। बैठक के अंत में प्राचार्य महोदय ने सभी उपस्थितजनों का धन्यवाद ज्ञापित किया और छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षक और पालक समुदाय के संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

3 माह में सेवा निवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों का प्रशिक्षण 24 को

मंदसौर, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा बताया गया कि संचालनालय पेंशन भविष्य निधी एंव बीमा म.प्र. भोपाल निर्देशानुसार द्वारा आगामी 03 माह में सेवा निवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों का साफ्टवेयर पर पेंशन प्रकरण तैयार करने के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम ई-दक्ष केन्द्र बुनियादी प्रशिक्षण संस्थान मंदसौर में 24 मार्च 2025 को दोपहर 1 बजे आयोजित किया गया है।

रंगपंचमी पर्व पर शुष्क दिवस घोषित

मंदसौर, 17 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24(1) में प्रदत्त शक्तियों के तहत मंदसौर जिले में रंगपंचमी पर्व के अवसर पर कानून एवं शांति व्यवस्था के दृष्टिगत 19 मार्च 2025 को मंदसौर जिले की समस्त कम्पोजिटमदिरा दुकाने, शॉपबार, गोदाम, मद्य भण्डारगार एवं एफ.एल-2, एल. एल -3 बार, एफ.एल-2(क) (क), एम्पी वाईन शॉप सायं 4 बजे तक बंद रहेगी। उक्त अवधि को शुष्क दिवस घोषितकिया गया हैं।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/416/खनिज/2025 मंदसौर, दिनांक-13.03.2025

//// सूचना ////

(म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-क)

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री महेशकुमार कोठारी पिता गेलाराम कोठारी निवासी संत कंवरराम कालोनी, स्टेशन रोड, मंदसौर, जिला मंदसौर द्वारा म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18-क के तहत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 03.03.2025 को प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत आवेदन पत्र का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है-

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/अन्य भूमि स्वामी की सहमति प्राप्त	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	मल्हारगढ़	पलेवना	750/1	2.000 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर एवं एम-सेण्ड (क्रेशर आधारित)	---

उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो अथवा इस संबंध में कोई अन्य दावा प्रस्तुत करना चाहता हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिवस के भीतर कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा, जिला मंदसौर में आपत्ति का लेख/कारण दर्शाते हुए लिखित रुप से प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि के उपरांत प्रस्तुत किसी भी आपत्ति/दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा, जिला मंदसौर म.प्र.

G-24440/24 सड़क सुरक्षा नियमों को अगर अपनाओगे, खुद के साथ-साथ दूसरों की जान भी बचाओगे।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/428/खनिज/2025 मंदसौर, दिनांक-13.03.2025

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// प्रथम सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री वसीम खान पिता अकरम खान निवासी किटियानी मंदसौर जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 05.03.2025 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 17.04.2025 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	मंदसौर	बिलांत्री	514/1/1	3.900 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर एवं एम सेड़ मुरम (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 17.04.2025 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र एवं पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त आवेदन पत्र को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

G-24483/24 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in